RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, सोमवार

29.6.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 247

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सेशेल्स की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन, भारत-सेशेल्स संबंध 256 वर्ष पुराने

एजेंसी, विक्टोरिया (सेशेल्स)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल 50 वर्षों के नहीं बल्कि इनकी जड़ें अगस्त 1770 तक जाती हैं, जब 'थेलेमाक' नामक जहाज से पांच भारतीय पहली बार यहां पहुंचे थे। दुनिया भले ही सेशेल्स को हिंद महासागर स्थित छोटे-छोटे द्वीपों के समूह के रूप में देखती हो लेकिन भारत की नजर में सेशेल्स एक विशाल महासागरीय राष्ट्र है, जिसकी भूमिका हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह उनके लिए विशेष सम्मान का क्षण है। उन्होंने स्पीकर सिल्वेन लिबेआन, सरकारी कामकाज के नेता बर्नार्ड जॉर्जेस, विपक्ष के नेता, सांसदों और सेशेल्स की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वह

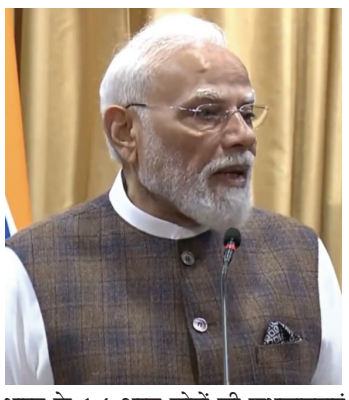

भारत के 1.4 अरब लोगों की शुभकामनाएं लेकर आए हैं। साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी पहली यात्रा सेशेल्स की ही थी और एक दशक बाद यहां लौटने पर उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि हिंद महासागर के लिए भारत के दृष्टिकोण में सेशेल्स की विशेष और केंद्रीय भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सेशेल्स की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर यहां उपस्थित होकर प्रसन्न हैं। भारत और सेशेल्स का रिश्ता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि यह साझा इतिहास, विश्वास, समुद्री सहयोग और जन-जन के संबंधों पर आधारित है। भारत और सेशेल्स का भविष्य परस्पर जुड़ा हुआ है और दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भारत के 'म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन' (महासागर) विजन जिक्र करते हुए कहा कि यह दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा और विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। भारत और सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग मानचित्र पर सेशेल्स को एक छोटे द्वीपीय देश के रूप में देखते हैं लेकिन वास्तविकता इससे कहीं बड़ी है। सेशेल्स का समुद्री क्षेत्र लगभग 14 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसलिए इसे छोटा द्वीपीय देश नहीं बल्कि एक बड़ा महासागरीय राष्ट्र कहा जाना चाहिए। ब्लू इकोनॉमी वैश्विक विमर्श का विषय बनने से बहुत पहले सेशेल्स समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और ब्लू बॉन्ड जैसे नवाचारों के माध्यम से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, हाइड्रोग्राफी और समुद्री क्षेत्र की निगरानी के क्षेत्र में भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। दोनों देशों का सहयोग सुरक्षित और स्थिर हिंद महासागर क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक समुद्री राष्ट्र की सुरक्षा दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी है, एक की समृद्धि दूसरे की समृद्धि को मजबूत करती है और क्षेत्रीय स्थिरता सभी के हित में है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत-सेशेल्स संबंधों की गहराई का महत्वपूर्ण प्रतीक है। 50 वर्ष पहले जब सेशेल्स स्वतंत्र हुआ था, तब भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि मित्रता और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद था। आज स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर भारतीय नौसेना के आईएनएस इक्षक और आईएनएस तरकश पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक खास समारोह में रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रतिष्ठित सम्मान 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री को उनकी ग्रीन लीडरशिप (पर्यावरण-अनुकूल नेतृत्व), विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की कोशिशों और 'ब्लू इकोनॉमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था), जलवायु कार्रवाई, समुद्री संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों की विकास संबंधी आकांक्षाओं को बढ़ावा देने की उनकी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। यह पहली बार है जब यह खास सम्मान दिया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने यह सम्मान उन सभी देशों को समर्पित किया जो पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही बढ़ी, हताहतों की संख्या 1,430 पहुंची, लाखों लोग संकट में

एजेंसी, काराकास (वेनेजुएला)

वेनेजुएला में हाल ही में आए दो शक्तिशाली भूकंप के झटकों से लाखों लोग संकट में हैं। मृतकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने शनिवार को देश के भूकंप प्रभावित उत्तर-मध्य इलाके के हालात का ताजा विवरण दुनिया के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि 24 जून को आए भूकंप से मरने वालों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 1,430 हो गई है और 3,238 लोग घायल हुए हैं। वेनेजुएला के स्पेनिश भाषा के समाचार पत्र द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, रोड्रिग्ज ने देश के नाम संबोधन में कहा कि इस त्रासदी में 3,142 परिवार बेघर हो गए हैं और भूकंप से प्रभावित सात राज्यों में बनाए गए अस्थायी शेल्टर में उनकी देखभाल की जा रही है। उन्होंने कहा, "हम अपने 1,430 साथी नागरिकों की मौत की जानकारी दे रहे हैं। हम इन वेनेजुएला के नागरिकों के परिवारों और उनके चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।"

इसके अलावा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि 10 और देशों की बचाव टीमें जल्द ही राहत अभियान में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि ला ग्वाइरा में सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों के लिए 14 हजार सैनिकों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भूकंप के केंद्र मोरोन और ला ग्वाइरा के कुछ हिस्सों में अब भी बिजली आपूर्ति बाधित है। बताया गया है कि वेनेजुएला के तटीय शहर ला ग्वाइरा में कम से कम 100 आवासीय बहुमंजिला इमारतें पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थानीय लोगों और स्वयंसेवकों का कहना है कि भारी मशीनों की कमी और राहत कार्यों की धीमी गति के कारण बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है। सरकार का कहना है कि सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं या मलबे में फंसे हो सकते हैं। वहीं, विपक्ष की एक वेबसाइट पर 54 हजार से अधिक लोगों को लापता होने का दावा किया गया है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का अनुमान है कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के इन दोनों भूकंपों से मरने वालों की संख्या 10 हजार से अधिक हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह पिछले एक शताब्दी में लैटिन अमेरिका की सबसे घातक भूकंप त्रासदी हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस आपदा से करीब 70 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। संगठन ने प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान का अनुमान लगभग 6.7 अरब डॉलर लगाया है। वेनेजुएला सरकार ने बताया कि शनिवार तक विभिन्न देशों से 1,600 बचावकर्मी राहत और खोज अभियान में शामिल होने के लिए पहुंच चुके हैं। वहीं, अमेरिका से राहत सामग्री लेकर पहली सहायता उड़ानें भी काराकास पहुंच गई हैं।

असम : तिनसुकिया में आतंकी साजिश नाकाम, उल्फा (आई) से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी, तिनसुकिया (असम)

असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों

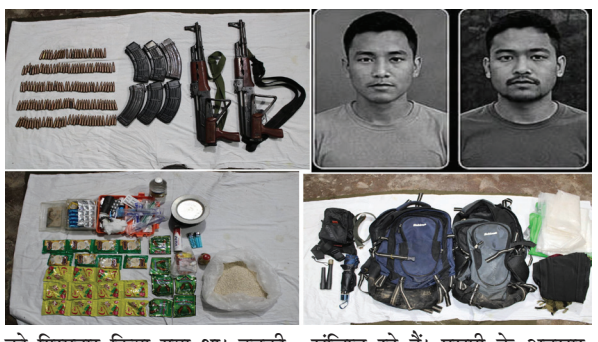

को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस साजिश को विफल करने में सफल रहे हैं। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आरोपितों के कब्जे से एके-सीरीज की दो राइफलें, 172 राउंड गोला-बारूद, दो ग्रेनेड, बैकपैक, जंगल में जीवित रहने का सामान, खाद्य सामग्री, दवाइयां तथा नकदी बरामद की। इसके बाद पुलिस ने एक अन्य अभियान चलाकर उग्रवादियों को लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में पानीटोला निवासी बिटु बोरा और कल्प बोरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, बिटु बोरा की स्विफ्ट कार (एआर-20ए-5892) का इस्तेमाल कथित तौर पर गिरफ्तार दोनों कैडरों ने किया था।

राम मंदिर को लेकर अनर्गल आरोप माहौल खराब करने का प्रयास- विहिप

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि राम मंदिर को लेकर लगाए जा रहे अनर्गल आरोप माहौल खराब करने की साजिश है। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को लेकर जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के संवाददाता सम्मेलन में लगाए गए 'हजारों करोड़ की चोरी' के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने इसे समाज में विद्वेष फैलाने की साजिश बताया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के 'सियाराम धाम' बनाने वाले चुनावी वादे को भी आड़े हाथों लिया। आलोक कुमार ने कांग्रेस द्वारा राम मंदिर से कीमती सामान और हजारों करोड़ गायब होने के आरोपों पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मंदिर का सारा सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान पूरी तरह सुरक्षित है। विहिप अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जब सब कुछ सुरक्षित है, तो 'हजारों करोड़ गायब होने' का यह आंकड़ा कहां से आ गया? यह पूरी तरह से हवा-हवाई और समाज में असंतोष पैदा करने की कोशिश है। आलोक कुमार ने इसे सिर्फ एक राजनीतिक बयान न मानकर एक गंभीर दंडनीय अपराध बताया। उन्होंने जांच एजेंसियों और पुलिस से सख्त कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में अविश्वास, नाराजगी और आस्था को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही इस 'रूमर मोंगरिंग' (अफवाहबाजी) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में हमला कर अमेरिका को दिया जवाब

एजेंसी, मनामा/कुवैत सिटी/तेहरान

ईरान ने ताजा अमेरिकी हमलों के जवाब में उसके सहयोगी देशों कुवैत और बहरीन के नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। तेजी से बदल रहे ताजा घटनाक्रम से होर्मुज जलडमरूमध्य में शांति की उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। ईरान और अमेरिका ने एक-दूसरे पर युद्धविराम संधि के उल्लंघन का आरोप लगाया है। दोनों देशों की आक्रामकता से पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए चल रही बातचीत पर असर पड़ा है। अरब न्यूज और सऊदी प्रेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बहरीन के गृह मंत्रालय ने बताया कि रविवार को ईरान के हमले में मुहर्रक गवर्नरेट में एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। गृह मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, "संबंधित अधिकारी घटनास्थल पर जरूरी कदम उठा रहे हैं।" बहरीन डिफेंस फोर्स की जनरल कमांड ने बयान में कहा कि उसने नागरिकों को निशाना बनाने वाली कई ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों को रोका। कमांड ने जोर देकर कहा, "नागरिकों और निजी संपत्ति को निशाना बनाने के लिए मिसाइलों और ड्रोन का जानबूझकर इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन है।" इस बीच, कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बलों ने रविवार तड़के ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक कर नष्ट किया। इन मिसाइलों को रोकने के दौरान कोई नुकसान या किसी के घायल होने की खबर नहीं है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार को कहा कि उसने ईरानी क्षेत्र पर अमेरिकी हमलों के जवाब में कुवैत और बहरीन के खिलाफ हमले किए। आईआरजीसी ने बयान में कहा "कुवैत में अली अल-सलेम बेस और बहरीन में पोर्ट सलमान स्थित फिफ्थ फ्लीट नेवल बेस पर अमेरिका के आठ अहम सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया गया है।

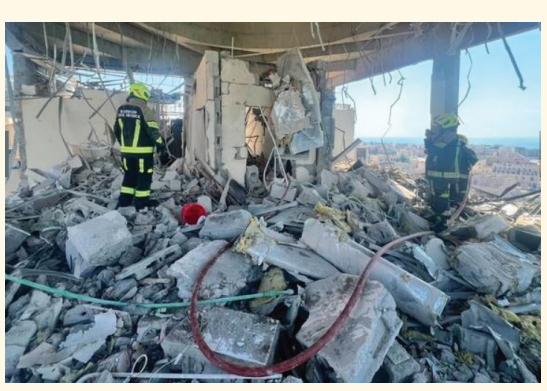

दिल्ली के दवा खरीद घोटाले में पूर्व डीजीएचएस समेत 2 गिरफ्तार, करोड़ों की गड़बड़ी के आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में दवा, सर्जिकल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की खरीद में कथित रूप से करोड़ों के घोटाले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल और सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स नीरज चोपड़ा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को शनिवार को राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां एसीबी ने पूछताछ के लिए एक दिन की पुलिस रिमांड मांगी। एसीबी के अनुसार, मामले की शुरुआत निदेशालय सतर्कता (विजिलेंस) से मिली शिकायत के बाद हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी के जरिए दवाओं, सर्जिकल कंज्यूमेबल्स, मेडिकल उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। आरोप है कि कुछ अधिकारियों ने निजी कंपनियों के साथ मिलीभगत कर टेंडर की शर्तों और तकनीकी मानकों में हेरफेर किया, ताकि चुनिंदा कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा सके। इससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। जांच के दायरे में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, बेडशीट व लिनेन, सी-आर्म रेडियोलॉजिकल उपकरण, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन, ओआरएस, सर्जिकल सामग्री, दवाइयां और अन्य मेडिकल सामान की खरीद शामिल है।

श्री अकाल तख्त के आदेश का अक्षरशः पालन करेंगे, सोमवार को सभी मंत्री-विधायक होंगे पेश : भगवंत मान

मेरा मास्क पहनकर नकल करने वाले की फर्जी वीडियो भी पत्र के साथ अकाल तख्त साहिब को सौंपी जाएगी

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके प्रत्येक आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां

उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे।श्री अमृतसर साहिब में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो से संबंधित समस्त विवरण भी श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक-दूसरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब प्रत्येक सिख के लिए सर्वोच्च आस्था का केंद्र और हमारी कौम का सर्वोच्च तख्त है। वहां से जारी प्रत्येक आदेश हमारे लिए पूरी श्रद्धा के साथ स्वीकार्य है और उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। हमारे सभी मंत्री, विधायक तथा पंजाब विधानसभा के स्पीकर, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किया गया है, सोमवार को वहां उपस्थित होंगे। वे एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष सरकार की स्थिति स्पष्ट करेंगे तथा अपना पक्ष रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मुझे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने बुलाया था, तब मैं वहां उपस्थित होने के लिए भारत के राष्ट्रपति के एक कार्यक्रम को भी छोड़कर गया था।"

मन की बात: प्रधानमंत्री ने गिनाईं आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियां, जनभागीदारी को बताया देश की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि जून का महीना भारत के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विमानन क्षेत्र की नई उपलब्धियों, योग की वैश्विक स्वीकार्यता, जनभागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे अनेक प्रेरणादायक प्रयासों का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रविवार को 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 का आधा

समय पूरा होने जा रहा है और बीते छह महीनों के दौरान देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जून का महीना विशेष रूप से ऐसी सफलताओं और जनआंदोलनों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत की सामरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, सामाजिक चेतना और वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच देशवासियों ने जिस जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय दिया है, वह भारत की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है। सोने की खरीदारी सीमित करने, विदेश यात्राएं टालने, कार पूलिंग अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी उनकी अपील को लोगों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर देश एकजुट होकर कार्य करने के लिए सदैव तैयार रहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनेक परिवारों ने विवाह जैसे आयोजनों में नया सोना खरीदने के बजाय पुराने आभूषणों को पुनर्चक्रित कर उपयोग करने का निर्णय लिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी विदेश यात्राएं स्थगित की हैं और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी है। लोग कार पूलिंग को अपना रहे हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल की बचत हो रही है। विभिन्न राज्यों से प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि की रिपोर्ट भी प्राप्त हो रही है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है। इन युद्धपोतों की डिजाइनिंग से लेकर निर्माण तक का संपूर्ण कार्य भारत में हुआ है। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र की सफलता नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और आत्मनिर्भरता का भी प्रमाण है।

पाकिस्तान के कराची में रेंजर्स मुख्यालय पर हमले में पांच आतंकी ढेर, तीन जवानों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में शनिवार रात सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में तीन जवानों की जान चली गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में पांच आतंकवादी मारे गए। एक हमलावर को घायलावस्था में जीवित पकड़ लिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा आईएसपीआर ने इसकी पुष्टि की। पाकिस्तान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर की विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमले को विफल कर दिया। यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार ने किया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रांची में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रांची। डांस वांस एकेडमी और उत्कल कराटे स्कूल (झारखंड शाखा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। बारियातू में आयोजित शिविर का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना था। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रत्येक बच्चे और युवा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कराटे केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने का प्रभावी साधन भी है। शिविर के दौरान सेम्पई रवि कुमार ने प्रतिभागियों को वार्म-अप और कराटे की बुनियादी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। वहीं चंदन कुमार ने काता की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराया। सेंसेई संदीप लाल और सेम्पई प्रिंस ठाकुर ने कुमिते की तकनीकों के साथ आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के प्रभावी तरीके भी बताए गए। शिविर के सफल आयोजन में ऋषि, शशि वर्मा और दीपक वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समापन समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

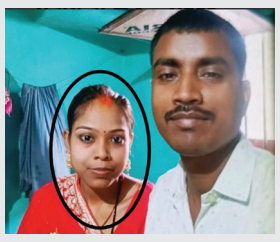

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित सलगझरी फाटक के समीप शनिवार देर रात एक विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान देव कुमार शर्मा की पत्नी सोनी देवी के रूप में हुई है। पुलिस और परिजनों के अनुसार, सोनी देवी का विवाह वर्ष 2013 में हुआ था। परिवार में उनके पति के अलावा तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। ससुराल पक्ष का कहना है कि वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। हालांकि, परिवार की ओर से उनकी बीमारी के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। सोपोडेरा के निवासी मृतका के भाई बबलू कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे उनके बहनोई का फोन आया, जिसमें सोनी देवी द्वारा फांसी लगाने की सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि उनकी बहन का किसी प्रकार का कोई चिकित्सकीय उपचार नहीं चल रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार में सामान्य घरेलू विवाद होते रहते थे, लेकिन आत्महत्या के पीछे की वजह की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम को संदेहास्पद बताते हुए मामले की निष्पक्ष और गहन पुलिस जांच की मांग की है। मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। इस कारण घटना के वास्तविक कारणों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से दिए जाने वाले आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर ही लगाया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की हर संभावित दिशा में जांच कर रही है।

डायन-बिसाही के शक में जेठ ने की गर्भवती भाभी और भतीजी की हत्या , गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के बड़ा तोरलो गांव में अंधविश्वास और पारिवारिक रंजिश ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में तबाह कर दिया। डायन-बिसाही के शक और आपसी खुन्नस में एक व्यक्ति ने अपनी ही गर्भवती भाभी और आठ वर्षीय भतीजी की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मृतका ननिका बिरुवा की बेटी शर्मिला बिरुवा (०८) स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर बैठकर खाना खा रही थी। इसी दौरान उसका ताऊ रमाये बिरुवा नशे की हालत में हाथ में कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसने बिना किसी विवाद के मासूम बच्ची पर अचानक हमला कर दिया और उसके सिर व कनपटी पर कई वार कर दिए। बेटी की चीख सुनकर गर्भवती मां ननिका बिरुवा उसे बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन आरोपित ने उस पर भी कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसके सिर और गर्दन पर कई वार किए गए, जिससे मां और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय घर में मौजूद अन्य बच्चे किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित रमाये बिरुवा की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। वह अक्सर नशे में रहता था और अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। बताया जाता है कि उसकी पत्नी कई बार डरकर अपने देवर-देवरानी के घर चली जाती थी। इसी बात को लेकर आरोपित के मन में लंबे समय से नाराजगी थी। साथ ही वह अंधविश्वास के चलते अपनी भाभी पर डायन-बिसाही का शक भी करता था। पुलिस का मानना है कि इसी मानसिकता और पारिवारिक विवाद के कारण उसने इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपित जंगल की ओर फरार हो गया था। मंझारी थाना प्रभारी दिलीप सहाय मांझी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला डायन-बिसाही के शक और आपसी विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

खूंटी में रेफरी प्रशिक्षण शिविर एक से

खूंटी । खूंटी जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आगामी 1 एवं 2 जुलाई को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम दो दिवसीय जिला स्तरीय फुटबॉल रेफरी प्रशिक्षण कोर्स का आयोजन किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को बताया कि प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को जिला फुटबॉल लीग, प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिताओं, सुब्रतो मुखर्जी कप, लिटिल चैंप्स, खेलो झारखंड तथा एसजीएफआई जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में रेफरी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया जाएगा। संघ के सचिव चन्द्रदेव सिंह ने रविवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इन प्रतियोगिताओं में रेफरियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेफरियों के नाम जिला फुटबॉल संघ की ओर से राज्य स्तरीय रेफरी परीक्षा के लिए अनुशंसित किए जाएंगे। संघ ने फुटबॉल में रुचि रखने वाले इच्छुक युवाओं से जल्द से जल्द पंजीयन कराने की अपील की है।

राजयोग ध्यान से मिलती है मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति : डॉ. पवन वर्णवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र, चौधरी बगान (हरमू रोड) में रविवार को डॉक्टर्स दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) दिवस के पूर्व सप्ताह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों ने आध्यात्मिकता, मानसिक शांति और जीवन मूल्यों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोचिकित्सक डॉ. पवन वर्णवाल ने कहा कि राजयोग ध्यान चिकित्सकों को मानसिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों के प्रति सहानुभूति, संवेदनशीलता और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण कार्य वातावरण में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए ध्यान अत्यंत उपयोगी है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमकुम विद्यार्थी ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक पेशे से जुड़े लोगों के लिए मानसिक शांति बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान में उन्हें विशेष शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ, जो जीवन और कार्य दोनों में संतुलन बनाए रखने में सहायक है। चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान, रांची चैप्टर के चेयरमैन अनीश जैन ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है। वहीं संस्थान के सचिव दिलीप कुमार ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजयोग का ज्ञान कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति को आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। रांची चैप्टर के उपाध्यक्ष विवेक खोवाल ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को निःस्वार्थ प्रेम, सकारात्मक सोच और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जीवनशैली समाज में बेहतर संबंधों और सकारात्मक वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र प्रशासिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों के समाज के प्रति योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगामी डॉक्टर्स दिवस और सीए दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने वाले सभी पेशेवर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका, डॉ. हिमांशु, सीए शुभम केसरी, सीए श्रृंखला खोवाल सहित कई चिकित्सक, चार्टर्ड एकाउंटेंट, ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े सदस्य तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुक्ति धाम प्रबंधन समिति का गठन, अंतिम संस्कार की सुविधाओं में सुधार का संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा। खूंटी

खूंटी स्थित महात्मा गांधी धर्मशाला परिसर में रविवार को राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल (आरएचआरडी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मुक्तिधाम प्रबंधन समिति, खूंटी का गठन किया गया। बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद शोकाकुल परिवारों को अंतिम संस्कार के दौरान कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। खूंटी के मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल की उपसमिति के रूप में मुक्तिधाम प्रबंधन समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। समिति के पदाधिकारियों में जय प्रकाश भाला को अध्यक्ष, जितेंद्र कश्यप और अनूप साहू को उपाध्यक्ष, संजीव चौरसिया को सचिव और बिनय भगत को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं किशोर गंझू, अर्जुन पाहन, अशोक गुप्ता, मंगल मिश्रा, दीपक सिंह और गणेश राम को कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 12 जुलाई (रविवार) को महात्मा गांधी धर्मशाला में राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल की एक बृहद बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में संगठन की भावी योजनाओं एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा सभी के सहयोग से हनुमान मंदिर का रुका हुआ निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल के 62 सदस्य उपस्थित थे।

लाठी प्रतियोगिता में भदवा बैंकर टीम को मिला प्रथम पुरस्कार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

घाटो: मुहर्रम दसवीं के दूसरे दिन को हुआग बस्ती में लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनभर अखाड़ों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन मुहर्रम कमेटी के सदस्यों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता भदवा बैंकर मिल्लते इस्लामिया टीम के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया, जिसके लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस संबंध में टीम के खलीफा मो. जहीरूदीन ने सभी खिलाड़ियों को जीत का बधाई देते हुए कहा कि अगले साल भी मन लगाकर खेलने का काम करें, ताकि विजेता का पुरस्कार हासिल होता रहे। वही झारखंड समन्वय समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अजहर मलिक ने भी टीम को बधाई दिया। विजेता टीम में मो. जमील, मो. जलील, मो. तनवीर, शहनबाज, गुलाम, मो. जहांगीर, मो. जुनैद, मो. सोनू, मो. सैफ, मो. बबन शामिल थे।

पॉक्सओ एक्ट के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा और छोड़ा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू : कुजू ओपी पुलिस ने 26 जून को पॉक्सो एक्ट के फरार आरोपी बासुदेव गिरि को पकड़ने के बाद विशाल होटल से ही छोड़ने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।इस संबंध में बताया जाता है कि मामले को लेकर दिनांक 1/06/2026 कांड संख्या 0122 के तहत कुजू मांडू थाना में तीन लोगों को अभियुक्त बनाया गया था।जिसमे मनी गिरी,बासुदेव गिरि और सुनील गिरी तीनों दिगवार कुजू रामगढ़ निवासी शामिल हैं ।पुलिस ने इस मामले में पूर्व में ही मनी गिरी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी हैं।इसी दौरान मामले के अनुसंधानकर्ता कुजू ओपी के दारोगा अरविंद कुमार सिंह ने ओपी में दर्ज पॉक्सो एक्ट के फरार आरोपी बासुदेव गिरि को एक ढाबे से गिरफ्तार करने के बाद वहीं से मामले को रफ़ा दफा कर वही से छोड़ दिया गया।।इस मामले का सारा प्रमाण ढाबे के सीसीटीवी फुटेज में देखने को मिल रहा है।जिसमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि पुलिस ने नामजद आरोपी को पकड़कर ढाबे से बाहर लाकर पीसीआर वैन तक लाई।ओर साठ गांठ कर उसे वही से छोड़ दिया।इस संबंध में पूछे जाने पर अनुसंधानकर्ता अरविंद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय मुख्यधारा प्रतिनिधि से कहा कि घटना के समय का सीसीटीवी फुटेज देखने से सारा मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी।इधर सीसीटीवी फुटेज भी विभिन्न जगहों से वायरल हो रहा है।जिससे तरह तरह की चर्चाएं हो रही है।ओर कुजू ओपी पुलिस पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे।वही मामले को दबाने के लिए पुलिस के कई शुभचिंतक लगे हुए हैं।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा। खूंटी

उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने रविवार को सदर अस्पताल, खूंटी से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उपायुक्त ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियोरोधी खुराक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान के दौरान पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई जा रही है, वहीं 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इस अवसर पर राज्य पर्यवेक्षक डॉ अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

रांची समेत झारखंड के अधिकांश हिस्सों में मानसून फिर सक्रिय, बारिश ने दिलाई गर्मी-उमस से राहत

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

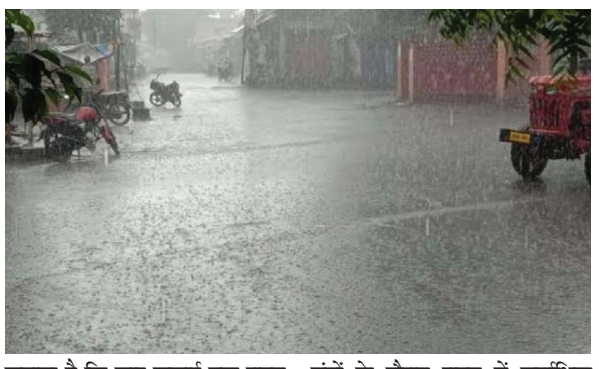

झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में रविवार दोपहर बाद मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। दोपहर के बाद आसमान में घने बादल छा गए और रिमझिम बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया तथा लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची केंद्र ने रविवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष अधिकांश जिलों में गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यह भी पूर्वानुमान जताया है कि चार जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेने तथा आकाशीय बिजली के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 54 मिलीमीटर वर्षा देवघर जिले के सिकटिया में दर्ज की गई। वहीं, राज्य का सर्वाधिक तापमान डाल्टनगंज में 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रविवार को सुबह से रांची और आसपास के क्षेत्रों में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बादल छा गए और कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 37.6 डिग्री और न्यूनतम 28.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 40.7 डिग्री और न्यूनतम 27.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 37.5 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 35.8 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक झारखंड में मानसून की गतिविधियां बनी रहेंगी और राज्य के अधिकांश जिलों में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है।

रांची की महापौर ने सदर अस्पताल से किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को रांची के सदर अस्पताल से महापौर रोशनी खलखो ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विमलेश कुमार सिंह सहित कई चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महापौर रोशनी खलखो, विधायक सीपी सिंह और अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में पिछले 14 वर्षों से पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने इसका श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों की निरंतर मेहनत, प्रभावी टीकाकरण अभियान और जनसहभागिता को दिया। सिविल सर्जन ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में सतर्कता बनाए रखना और प्रत्येक बच्चे का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे शून्य से पांच वर्ष तक के किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रहने दें। मुख्य अतिथि महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि भारत ने पोलियो मुक्त राष्ट्र बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही देश पोलियो मुक्त बन पाया है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के अलावा गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा अभियान से छूट न जाए। उन्होंने सदर अस्पताल में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं की भी प्रशंसा की। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाने में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सदर अस्पताल में लगातार बेहतर हो रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आज यहां सभी वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अस्पताल को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि वर्ष 1995 से देशभर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष झारखंड में लगभग 61 लाख से अधिक बच्चों को 24,507 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में अभियान चलाया जा रहा है, जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष टीमें तैनात की गई हैं। राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान पूरे देश में एक साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले मिलने के कारण सतर्कता और नियमित टीकाकरण आज भी उतना ही आवश्यक है जितना पहले था। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, स्वास्थ्यकर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे 28 से 30 जून तक चलने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान अपने शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बनाएं।

- **झारखंड में 61 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक**

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी का वार्षिक पुरस्कार समारोह संपन्न, उत्कृष्ट रोटेरियंस सम्मानित

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा वार्षिक क्लब पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सेवा भावना, सौहार्द और टीमवर्क का उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह और सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने सभी रोटेरियंस एवं उनके परिवारों का आभार व्यक्त किया। सचिव ने एक विशेष पहल के तहत सभी रोटेरियंस को सपरिवार मंच पर आमंत्रित कर उपहार भेंट किए। समारोह में रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी, डॉ. जॉन लियू, डॉ. अनिल त्रेहन, चंद्रिमा राय और संध्या राज को एग्जेंप्लरी रोटेरियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं, प्रतिष्ठित रोटेरियन ऑफ द ईयर अवार्ड अशोक तनेजा, डॉ. राजदीप, प्रदीप राय और सचिव घनश्याम दास को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए दिया गया।

अध्यक्ष हरदीप सिंह ने सचिव घनश्याम दास को वर्ष भर सचिवीय व आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्षीय दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए विशेष सम्मान से अलंकृत किया। इस अवसर पर क्लब के स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में सचिव घनश्याम दास ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहन का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। रोटेरियन चंद्रिमा राय, संध्या राज सहित अन्य सदस्यों ने सचिव के नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में रोटरी के सेवा भाव के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने के साथ हुआ।

कसमार : कर्बला की शहीदों की याद में मनाया तीजा

इमामबाड़ों में हुई कुराने पाक की तिलावत और फातिहा ख्वानी

कसमार (बोकारो) : मोहर्रम के दसवें दिन गमगीन माहौल के बाद रविवार को कर्बला के शहीदों की याद में 'तीजा' अकीदत और अदब के साथ मनाया गया। कसमार के गर्री, सुरजूडीह, बगियारी, नावाजारा,मंजुरा, बनकनारी, मधुकरपुर ,कुरको, ललमटिया, खैराचातर, सोनपुरा सहित मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में तीजे के मौके पर फातेहा कुरान की तिलावत के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। इस दौरान कर्बला के शहीदों की आत्मा की शांति के लिए फातिहा ख्वानी की गयी। तीजे के अवसर पर सुबह से इमामबाड़ों में कुराने पाक की तिलावत और फातिहा ख्वानी का दौर चलता रहा। अकीदतमंदों ने कर्बला के मैदान में भूखे-प्यासे शहीद हुए इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की बारगाह में नज़्र-ओ-नियाज पेश कर उनकी आत्मा की शांति और देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। इस दौरान गर्री के पूर्व सदर सह समाजसेवी मोहम्मद शेखावत अंसारी ने बताया कि मोहर्रम की 12 तारीख को ही कर्बला के जांबाज शहीदों के पाक शवों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था। इस दर्दनाक दास्तान को सुनकर वहां मौजूद अकीदतमंदों की आंखें नम हो गईं और पूरा माहौल 'या हुसैन' की सदाओं से गूंज उठा। इस दौरान शेखावत अंसारी ने कहा कि प्रखंड प्रशासन एवं सभी के सहयोग से कसमार जैसे ग्रामीण क्षेत्र में मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन से जुड़े तमाम पदाधिकारियों को इसके लिए बधाई दी है।

इस दौरान हाजी दिल मोहम्मद अंसारी, हाजी यूसुफ अंसारी, मोहम्मद इरफान अहमद, आलटू अंसारी, मंजर इमाम, रिजवान अंसारी, ख्वाजा गुलाम, तबारक अंसारी, मिट्टू अंसारी, बबलू अंसारी मौजूद थे।

बोकारो में मनेगा 78वां राष्ट्रीय सीए दिवस का भव्य जश्न

रक्तदान शिविर और सम्मान समारोह सहित होंगे कई आयोजन

बोकारो : देश की आर्थिक रीढ़ माने जाने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की प्रतिष्ठित संस्था द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के सर्क (सीआईआरसी) के बोकारो स्टील सिटी स्टडी चैप्टर द्वारा आगामी 1 जुलाई 2026 को 78वां राष्ट्रीय सीए दिवस अत्यंत उत्साह, उमंग और भव्यता के साथ मनाने की घोषणा की गई है। इस ऐतिहासिक अवसर पर बोकारो चैप्टर की ओर से सीए सदस्यों और उनके सम्मानित परिवारों के लिए दिन भर के विशेष कार्यक्रमों का एक विस्तृत और बेहद आकर्षक खाका तैयार किया गया है। उत्सव की तैयारियों को लेकर जानकारी देते हुए बोकारो चैप्टर के संयोजक सीए आयुष केडिया और उप-संयोजक सीए गौरव मुरारका ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन शहर के नया मोड़ स्थित होटल वेस्टइन में किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत सुबह 10:00 बजे एक बेहद परोपकारी और मानवीय पहल के साथ होगी, जिसके तहत दोपहर 2:00 बजे तक एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में समाज सेवा के उद्देश्य से सीए सदस्य और आम नागरिक बढ़-चढ़कर अपना रक्तदान करेंगे।

मेधावी नए सीए और मार्गदर्शक सदस्यों का होगा अभिनंदन- रक्तदान के बाद शाम के सत्र में सांस्कृतिक और सम्मान समारोह की शुरुआत होगी। संस्थान के उन मेधावी और प्रतिभावान युवाओं का भव्य अभिनंदन किया जाएगा, जिन्होंने हाल ही में देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में अपनी नई और गौरवमयी पहचान स्थापित की है। इसके तुरंत बाद इस क्षेत्र और पेशे में दशकों से अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे और समाज का मार्गदर्शन कर रहे वरिष्ठ व सीनियर सीए सदस्यों को उनकी अमूल्य सेवाओं के लिए मंच पर विशेष रूप से सम्मानित व विभूषित किया जाएगा। इस पूरे कार्यक्रम की एक और बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शामिल होने वाले सभी पंजीकृत प्रतिभागी सदस्यों को उनके व्यावसायिक व बौद्धिक विकास के लिए 3 सीपीई (सीपीई) आवर्स प्रदान किए जाएंगे, जिसके लिए बेहद मामूली 200 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। रात्रिकालीन सत्र में सम्मान समारोह के समापन के बाद सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने-अपने परिवारों के साथ शामिल होकर खुशियां साझा करेंगे।

बोकारो के सभी 1581 बूथों पर 30 जून को चलेगा विशेष हैशटैग अभियान, उच्च स्तरीय बैठक में उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले के हर एक पात्र मतदाता को लोकतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल और जमीनी अभियान छेड़ दिया है। रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने गोपनीय कार्यालय कक्ष में मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण विधिक बैठक की। वीडियो संवाद के माध्यम से जिले के सभी ईआरओ, एईआरओ, कंप्यूटर ऑपरेटरों और संबंधित आला अधिकारियों के साथ जुड़कर उपायुक्त ने 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित होने वाले तमाम विशेष कार्यक्रमों, मतदान केंद्रों पर बीएलओ की बैठक, चुनाव पाठशाला तथा महा-हैशटैग अभियान की तैयारियों की बहुत ही बारीकी से समीक्षा की और आवश्यक विधिक निर्देश जारी किए।

समीक्षा बैठक के दौरान डीईओ सह डीसी अजय नाथ झा ने सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आम लोगों में जागरूकता लाने का एक सबसे प्रभावी और तीव्र माध्यम है। उन्होंने सभी संबंधित विधिक पदाधिकारियों को इसका अधिकतम और रचनात्मक उपयोग करने का सख्त निर्देश दिया, लेकिन साथ ही सचेत किया कि सोशल मीडिया पर साझा की जाने वाली सामग्री में तथ्यों की शुद्धता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी जिम्मेदारी संभाल रहे पदाधिकारी प्रतिदिन सोशल मीडिया पर पूरी तरह सक्रिय रहें, नियमित रूप से आधिकारिक पोस्ट करें तथा किसी भी सामग्री को पब्लिक डोमेन में डालने से पूर्व उसकी तथ्यात्मक जांच अवश्य कर लें। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन कम-से-कम एक से डेढ़ घंटे का विशेष समय निर्धारित करने का टास्क सौंपा है।

उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी 1581 मतदान केंद्रों पर 30 जून को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक एक विशेष और सघन हैशटैग अभियान चलाया जाएगा। इस निर्धारित एक घंटे के भीतर सभी संबंधित पदाधिकारी और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सोशल मीडिया पर रिकॉर्ड संख्या में पोस्ट करेंगे। इस अभियान के तहत होने वाले प्रत्येक पोस्ट में अनिवार्य रूप से तीन विशेष हैशटैग का उपयोग किया जाएगा, जिनमें झारखंड एसआईआर, बोकारो एसआईआर और बोकारो से जोहार शामिल हैं। इसके साथ ही, इस पूरी मुहिम को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए सीईओ झारखंड. ईसीआई स्वीप एवं बोकारो डीसी को टैग करना सुनिश्चित किया गया है। अधिकारियों को पोस्ट की अग्रिम शेड्यूलिंग करने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि अभियान बिना किसी तकनीकी बाधा के निर्बाध चल सके। डीईओ सह डीसी ने कड़ा निर्देश दिया है कि जिले के सभी बीएलओ 30 जून को सुबह 10:00 बजे अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। वे वहां आने वाले आम नागरिकों और नए मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विधिक जानकारियां देंगे और फॉर्म भरने में सहायता करेंगे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं। इस उच्च स्तरीय बैठक में अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, नोडल पदाधिकारी सह डीपीआरओ रवि कुमार, डीआईओ धनंजय कुमार और एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत कमेटी के अन्य सभी वरिष्ठ सदस्यगण उपस्थित थे।

एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस, बैंकों के रवैये पर उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ़ झारखंड के कार्यालय 161 लोहांचल में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शशि भूषण ने की। इस मौके पर समाजशास्त्री व समाजसेवी स्वर्गीय अफरोज राणा को भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

वक्ताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा यह दिवस रोजगार सृजन और आजीविका में एमएसएमई के वैश्विक योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम इनोवेशन तथा सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाना है, जिसका उद्देश्य उद्योगों को पर्यावरण अनुकूल, डिजिटल तकनीक से लैस और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। उद्यमियों ने कहा कि एमएसएमई हुनर के बल पर चलता है और बाजार के अनुसार इसे कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरत होती है, जिसमें बैंक आनाकानी करते हैं। उन्होंने केंद्र से इसकी पुख्ता व्यवस्था करने की मांग की। वैश्विक जीडीपी में 50% से अधिक योगदान के बावजूद बैंक लोन देने में महज खानापूर्ति करते हैं। बैंकों को इन्हें पार्टनर मानकर निशुल्क वित्तीय व तकनीकी प्रशिक्षण देना चाहिए, ताकि भारत 2047 तक विकसित देश बन सके। इस दौरान एमएसएमई को पूंजी देने वाली केंद्र की 'पीएम विश्वकर्मा योजना' की सराहना की गई।

समारोह में उत्कृष्ट योगदान के लिए आईडी पांडे, एमपी शर्मा, राजकुमार सिंह, गोपाल विश्वकर्मा, कुंदन उपाध्याय, रजनी शर्मा और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के एस के मिश्रा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नाथू विश्वकर्मा, उत्तम विश्वकर्मा, अरविंद कुमार (डायरेक्टर एमएसआईसी), सूरज कुमार, जगन्नाथ, शैलेश कुमार (साइन फैमिली काउंसलिंग सेंटर), पूर्णिमा सिंह, बीके सिंह, शीला प्रसाद, भुवन चंदा दास, के के सिंह, सैयद राशिद, अशरफ आलम, अभिजीत, अनिल शर्मा, कैलाश राय, रंजू उपाध्याय और उपासना हजरा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

वरीय वेतनमान के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे बोकारो के पीजीटी शिक्षक, +2 शिक्षक संघ की बैठक में हुआ फैसला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड +2 शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी समिति की एक बैठक रविवार को सिटी पार्क, बोकारो में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने की, जबकि पूरे कार्यक्रम का संचालन और समन्वयन जिला सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने किया। इस बैठक में शिक्षकों के हितों और उनकी लंबित मांगों को लेकर कई गंभीर प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

बैठक का मुख्य एजेंडा शिक्षकों की बहुप्रतीक्षित मांग वरीय वेतनमान की प्राप्ति था। कार्यकारिणी के सदस्यों ने गहन विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस हक को हासिल करने के लिए सभी पीजीटी शिक्षक आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ आगे बढ़ेंगे। संघ ने सभी शिक्षकों से इस मुहिम में बढ़-चढ़कर साथ आने का आह्वान किया है। बैठक में वरीय वेतनमान के अलावा जिले के नवनियुक्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की सेवा पुस्तिका का संधारण समय पर सुनिश्चित करवाने को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। साथ ही, संघ के सुचारू संचालन के लिए सभी सदस्यों ने एकमत होकर यह तय किया कि वार्षिक सदस्यता शुल्क का भुगतान समय पर अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक में उपाध्यक्ष कौशल कुमार मुखर्जी, डॉ. शशिकांत पांडेय एवं इर्वि रानी, कोषाध्यक्ष राजदेव साहू, संयुक्त सचिव डॉ. शक्ति पद महतो एवं भरत कुमार महतो, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, राज्य प्रतिनिधि मनोज कुमार साहू, उप संगठन मंत्री मुकेश कुमार यादव, विद्यालय प्रतिनिधि ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी एवं अभिषेक मैती तथा कार्यकारिणी सदस्य महाकांत झा समेत बड़ी संख्या में अन्य शिक्षक और संघ के सदस्य उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि अपनी 12 वर्षों की अटूट और संतोषप्रद सेवा पूरी करने के बाद भी हक से महरूम झारखंड के +2 शिक्षकों के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इसी सिलसिले में राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्यनिषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद से पेटरवार (बोकारो) स्थित वन विभाग विश्रामागार में मुलाकात की थी।

30 हाथियों के महा-झुंड के घेरे में बोकारो-रामगढ़ के 10 गांव, वन विभाग ने जारी किया विशेष हाई अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

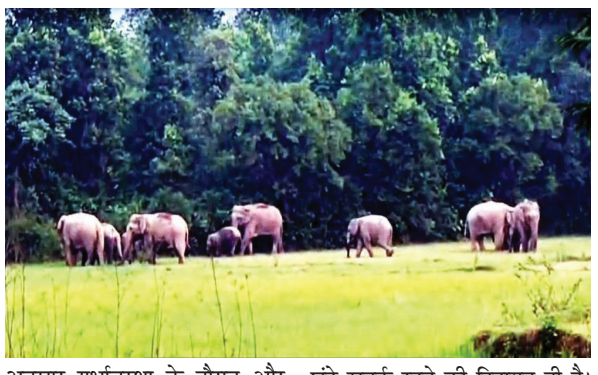

बोकारो : बोकारो जिला प्रशासन और वन विभाग ने गोमिया व रामगढ़ के सीमावर्ती जंगलों में हाथियों के एक विशाल और आक्रामक झुंड की मौजूदगी को लेकर विशेष हाई अलर्ट जारी किया है। वर्तमान में पूरे 30 हाथियों का एक महा-झुंड अलग-अलग हिस्सों में बंटकर गोपो, पालू, बड़की पुन्नू और कुसुमडीह-कानीडीह के आस-पास के जंगलों में मौजूद है। वन प्रमंडल पदाधिकारी (प्रशिक्षु) संदीप शिंदे के अनुसार झुंड के अत्यधिक आक्रामक होने का एक बेहद संवेदनशील कारण सामने आया है। इस पूरे झुंड में 2 से 3 हथनियां पूर्णतः गर्भवती हैं, जिसके कारण यह झुंड तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है और इस बात की पूरी संभावना है कि हाथियों का यह कुनबा लंबे समय तक इसी इलाके में अपना डेरा जमाए रखेगा। जीव विज्ञान के विधिक मानकों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान और बच्चे के जन्म के बाद हाथियों का झुंड प्राकृतिक रूप से अत्यधिक आक्रामक, सुरक्षात्मक और खतरनाक हो जाता है।

हाथियों की इस संवेदनशील विधिक स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने महुआटांड़, धवईया, सिमराबेड़ा, दरहाबेड़ा, कुसुमडीह, कानीडीह, गागा, टिकाहारा, फुटकाडीह और कंडेर गांव के निवासियों को विशेष रूप से चौबीसों घंटे सतर्क रहने की हिदायत दी है। प्रशासन ने सभी ग्रामीणों के लिए कड़े और अनिवार्य निर्देश जारी करते हुए कहा है कि रात के समय किसी भी हाल में लोग अपने घरों से बाहर न निकलें और सुरक्षा के लिए केवल पक्के मकानों का ही आश्रय लें। हाथियों के करीब जाने, उनकी फोटो खींचने, सोशल मीडिया के लिए सेल्फी लेने या उन्हें देखकर हूटिंग करने यानी शोर मचाने की सख्त विधिक मनाही की गई है। इसके साथ ही रात में हाथियों को भगाने के लिए ट्रैक्टर का साइलेंसर खोलने या किसी भी अन्य पटाखे आदि से उन्हें तंग करने का प्रयास बिल्कुल न करने को कहा गया है, क्योंकि कुछ असामाजिक तत्वों की एक छोटी सी गलती कई मासूम ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि यह एक अत्यंत विशेष और नाजुक परिस्थिति है, इसलिए चेतावनियों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ अब सीधी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जो भी व्यक्ति इन आधिकारिक विधिक निर्देशों का उल्लंघन करेगा, रात में बेवजह वाहन लेकर जंगल के रास्तों में विचरण करेगा या हाथियों के झुंड को किसी भी तरह से परेशान करने का दोषी पाया जाएगा, उस पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की गंभीर और गैर-जमानती धाराओं के तहत तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

कसमार प्रखंड के 138 बूथों में बच्चों को दी गयी पोलियोरोधी खुराक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमार में रविवार को पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत विधायक प्रतिनिधि शेरे आलम एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नवाब ने संयुक्त रूप से किया। विधायक प्रतिनिधि शेरे आलम ने कसमार के सभी लोगों से आग्रह किया कि अपने घर के शून्य से पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि हम सभी कसमार के लोग पोलियो बीमारी से मुक्त रहें। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नवाब ने बताया की कसमार प्रखण्ड अंतर्गत 138 बूथों पर पोलियो का दवा खुराक पिलाया जाएगा। इसके बाद सोमवार एवं मंगलवार को घर घर जाकर टीम के सदस्य छूटे हुए सभी बच्चों को दवा पिलाने का कार्य करेंगे। कार्य की निगरानी हेतु कसमार प्रखंड में 14 पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। साथ ही सभी चिकित्सा पदाधिकारी एवं सीएचओ कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करेंगे। आज के कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अविनाश रंजन, टीम के सदस्य सुलेखा देवी, मीना देवी व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

बोकारो में ओलम्पिक फॉरेस्ट थीम पर संगोष्ठी आयोजित, नवंबर में होगा खेल महोत्सव; निष्क्रिय खेल संघों पर गिरेगी गाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर झारखण्ड ओलंपिक एसोसिएशन के मार्गदर्शनानुसार बोकारो जिला ओलम्पिक संघ द्वारा इस वर्ष की विशेष थीम- ओलम्पिक फॉरेस्ट पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन सिटी सेंटर स्थित एस. के. मार्शल आर्ट्स एकेडमी के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जिला खेल संघों के अध्यक्ष, सचिव तथा उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जहां पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और खेल एवं प्रकृति के अंतर्संबंधों पर अत्यंत सुंदर व आकर्षक ढंग से विस्तृत चर्चा की गई। संगोष्ठी के उपरांत संघ के अध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं महासचिव गोपाल ठाकुर के संचालन में जिला ओलंपिक संघ की एक नियमित बैठक संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में लिए गए फैसलों के तहत आगामी नवंबर महीने के प्रथम सप्ताह में बोकारो खेल महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें केवल ओलम्पिक में खेले जाने वाले खेलों की ही जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके साथ ही, जिले में सिर्फ कागजों पर चल रहे निष्क्रिय खेल संघों की गतिविधियों को पूर्ण रूप से समाप्त करने का निर्णय लिया गया। संघ ने यह भी साफ किया कि जो जिला खेल संघ अभी तक अपनी एफिलिएशन फी जमा नहीं कर पाए हैं, वे आगामी 15 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से इसे जमा कर खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन में अपनी मजबूती से सहभागिता प्रदान करें।

इसके अतिरिक्त, बैठक में बोकारो जिला खेल शाखा द्वारा जिला ओलंपिक संघ के साथ-साथ स्थानीय खेल और खिलाड़ियों की लगातार की जा रही उपेक्षा पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस उदासीन रवैये के खिलाफ तथा खेल महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल निकट भविष्य में जिले के उपायुक्त से मुलाकात कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराएगा। बैठक के अंत में बोकारो खेल जगत को लगी अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख जताते हुए, प्रतिभावान खिलाड़ी अभिमन्यु चटर्जी के असामयिक निधन पर सभी सदस्यों ने एक मिनट का मौन धारण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बैठक में मुख्य रूप से राजेश्वर सिंह, महेन्द्र प्रसाद, संजीव कुमार, एंजेला सिंह, पवन कुमार सिंह, सुनीत कुमार मल्लिक, राजीव कुमार सिंह, शेख नसीमुद्दीन, सत्येंद्र सिंह, डॉ. खेदु गोराई, तेजनारायण और भोला महतो सहित कई खेल पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चास एसडीओ की सिंघम स्टाइल छापामारी, अवैध पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल के काले साम्राज्य का पर्दाफाश, भारी मात्रा में ईंधन जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास अनुमंडल में अवैध ईंधन के काले कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और धमाकेदार कार्रवाई की है। रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी चास, प्रांजल ढांडा के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने सेक्टर-12 और बालीडीह थाना क्षेत्रों में बैक-टू-बैक औचक छापेमारी कर अवैध पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। इस अचानक हुई कार्रवाई से तेल माफियाओं और अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय थाना प्रभारियों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इस पूरे गुप्त ऑपरेशन को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया।

टीम ने एक के बाद एक तीन जगहों पर धावा बोला। इनमें आरबीएस कॉलेज के पास (सेक्टर-12) में छापेमारी की पहली गाज गिरी। टीम ने मौके से एक बड़ा तेल टैंकर और ड्रमों में भरकर रखा गया भारी मात्रा में अवैध पेट्रोल और डीजल बरामद किया। दूसरी बड़ी कार्रवाई बालीडीह क्षेत्र के सीमलदुही में हुई, जहां माफियाओं ने ड्रमों में भारी मात्रा में पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल का अवैध भंडारण कर रखा था। प्रशासनिक टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे स्टॉक को जब्त कर लिया। इसके बाद टीम ने तीसरे ठिकाने पर रेड मारी। यहां से एक छोटा तेल टैंकर वाहन, भारी संख्या में खाली ड्रम और ईंधन चोरी व मिलावट से जुड़ी अन्य सामग्रियां बरामद की गईं।

इस बड़ी कामयाबी के बाद एसडीओ ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जन सुरक्षा और कानून व्यवस्था को खतरे में डालने वाले इस काले कारोबार को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध ईंधन के भंडारण और क्रय-विक्रय में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अगर उनके आसपास भी अवैध रूप से पेट्रोल, डीजल या इथेनॉल की बिक्री या भंडारण हो रहा है, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। इस छापेमारी टीम में मुख्य रूप से कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी, सेक्टर-12 थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह, बालीडीह थाना प्रभारी संदीप और भारी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को "दो बूंद जिंदगी की" पिलाकर डीडीसी ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

» 1976 बूथ में पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा
» अभिभावकों से 5 वर्ष तक के बच्चों के दवा पिलाने की अपील

राजीव रंजनः धनबादः उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने रविवार सुबह धनबाद सदर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के अगस्त्या सिन्हा, सनव, मिशिका, देवांशी को "दो बूंद जिंदगी की" खुराक पिलाकर देशव्यापी पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया।

शुभारंभ करने के बाद उप विकास आयुक्त ने जिले के सभी अभिभावकों से उनके 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर आने वाली पीढ़ी को पोलियो से सुरक्षित करें।

उन्होंने कहा कि बरसात के बाद पोलियो का संक्रमण होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए इस देशव्यापी अभियान का शुभारंभ बरसात से पहले किया गया है। बताया कि पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 28 जून से 30 जून तक जिले के 4 लाख 24 हजार 729 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। 28 जून को 1976 बूथ पर एवं 29 व 30 जून को छुटे हुए बच्चों को घर-घर में पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

सिविल सर्जन ने बताया कि इसके लिए 1873 स्थाई बुथ, 79 ट्रांजिट बुथ, 16 मोबाईल टीम, एक 8 सदस्यी टीम सहित 1976 बुथ संचालित किए जाएंगे। अभियान की निगरानी के लिए 392 सुपवाईजर फिल्ड में रहेंगे। हर बूथ पर पल्स पोलियो दवा पहुंचाने तथा दवा की गुणवत्ता को उच्च कोटि की बनाये रखने के लिए 137 सबडिपो की व्यवस्था की गई हैं।

बच्चों को दवा पिलाने से पूर्व उप विकास आयुक्त में दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ.आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ.रोहित गौतम, उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ.दीपक कुमार, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, एमओआईसी डॉ.अनिता चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

हद है लापरवाही की-कीचड़ और फिसलन से राहगीरों को हो रही परेशानी, हर वक्त दुर्घटना की आशंका

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल में डीवीसी की निविदा के तहत होने वाले विकास कार्यों का हाल बेहाल है। हालात यह है कि संबंधित संवेदक या कार्यरत कंपनी पर डीवीसी प्रबंधन अथवा सिविल विभाग का कोई नियंत्रण नजर नहीं आ रहा है, और न ही वे किसी की सुनने को तैयार हैं। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय उर्दू मजलिस स्थित अफजल अंसारी के घर से मिडिल स्कूल चौराहे तक एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) कार्य के तहत पाइप बिछाने के बाद रास्ते को जैसे-तैसे अधूरा छोड़ दिया गया है। इसके चलते पूरे मार्ग पर भारी कीचड़ और फिसलन पैदा हो गई है, जिससे राहगीरों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों, महिलाओं एवं स्कूली बच्चों के लिए स्थिति बेहद खतरनाक बनी हुई है और वहां हर पल बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

हद तो तब हो गई, जब कंपनी ने काम समेटने के बाद अफजल अंसारी के घर के कोने पर, ठीक बीच रास्ते में ही एक बड़ा गड्ढा छोड़ दिया। इस गड्ढे में हर समय पानी भरा रहता है, जो रात के अंधेरे में राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। नियम और प्रावधानों के मुताबिक, संबंधित कंपनी को कार्य समाप्त होने के बाद क्षतिग्रस्त की गई सड़क और रास्ते को पहले की तरह पूरी तरह दुरुस्त करना होता है। इसके बावजूद, यह मुख्य सड़क मार्ग पिछले दो महीनों से भी ज्यादा समय से इसी तरह क्षतिग्रस्त, कीचड़युक्त और फिसलन भरा छोड़ दिया गया है। स्थानीय लोगों में डीवीसी प्रबंधन और कार्यदायी एजेंसी की इस घोर लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है।

जब इस गंभीर मामले को लेकर डीवीसी के वरीय प्रबंधक सह कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि वे फिलहाल बाहर हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि लौटकर आने के बाद वे इस अधूरे कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाने का प्रयास करेंगे। अब देखना यह है कि प्रबंधन कब जागता है और स्थानीय लोगों को इस नारकीय स्थिति से मुक्ति मिलती है।

अवधेश सिंह के निधन पर भाकपा नेता ने व्यक्त किया गहरा शोक

बोकारो थर्मल : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन (आरसीएमएस) के कथारा क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह के आकस्मिक निधन पर बोकारो थर्मल भाकपा के शाखा सचिव सह प्रखर यूनियन नेता रामेश्वर साव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। शोक प्रकट करते हुए भाकपा नेता ने कहा कि अवधेश कुमार सिंह के असामयिक निधन की खबर से वे अत्यंत मर्माहत और स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय सिंह मजदूरों के सच्चे हितैषी और मार्गदर्शक थे।

उन्हें ट्रेड यूनियन और मजदूर आंदोलनों की बहुत ही गहरी व व्यावहारिक जानकारी थी, जिसके बल पर उन्होंने हमेशा श्रमिक वर्ग के अधिकारों के लिए अग्रिम पंक्ति में रहकर संघर्ष किया। अपने सरल, मिलनसार और सौम्य स्वभाव के कारण वे न केवल मजदूरों के बीच, बल्कि विभिन्न संगठनों के नेताओं में भी बेहद लोकप्रिय और सम्मानित थे। उनका जाना मजदूर जगत और क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

यूनियन नेता ने अपनी और अपने संगठन की ओर से स्वर्गीय अवधेश कुमार सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को परम शांति प्रदान करें। साथ ही, उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि दुख की इस अत्यंत विकट और कठिन घड़ी में शोकाकुल परिवार को इस अपार लॉस को सहने का धैर्य और संबल मिले।

ग्रामीणों के बीच स्ट्रीट लाइट का वितरण किया गया

गोलाः भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजकिशन त्रिपाठी ने रविवार को प्रखंड क्षेत्र के सरगडीह पंचायत के दुधमतियां गांव में जनता दरबार लगाया गया।इस दौरान उन्होंने जन समस्याओ को सुना और त्वरित समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को जानकारी दिया । साथ ही किसानों के बीच धान और स्ट्रीट लाइट का वितरण किया भी किया गया।मौके पर उन्होंने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम आगे भी जारी रखते हुए प्रत्येक गांव में हर रविवार को जनता दरबार लगाया जाएगा। और जनता के समस्या से अवगत होकर समस्या का समाधान करना ही मेरी प्राथमिकता होगी।

अनाथ बच्चों के बीच सेवा कार्य, उपहार वितरित कर मनाई खुशियां

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति, श्यामनगर भूली द्वारा रविवार को पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल आवासीय अनाथ विद्यालय, पोखरिया (पूर्वी टुंडी) में रह रहे अनाथ बच्चों के बीच सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को भोजन कराने के साथ-साथ उपहार भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यालय में रह रहे दो जुड़वां बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया था। समारोह में टुंडी विधायक मथुरा महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे और बच्चों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के लगभग 60 बच्चों ने अपने विचार व्यक्त किए और समिति के प्रति आभार जताया। बच्चों ने कहा कि संस्था के सदस्य समय-समय पर उनसे मिलने आते हैं, जिससे उन्हें अभिभावकों के स्नेह और अपनापन का एहसास होता है तथा माता-पिता की कमी कुछ हद तक पूरी हो जाती है।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का एकमात्र संकल्प समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी सहायता करना और सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू, अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास, सचिव दिलबाग सिंह, गोपाल बनर्जी, प्रदीप श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी नीलकमल खवास, पवन अग्रवाल, सूजॉय सरकार, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, मंजू देवी, पूर्णिमा विश्वास, सोनू कुमार, गंगोत्री सिंह एवं नीलू कुमारी सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।यह संस्करण समाचार पत्र प्रकाशन की शैली के अनुरूप तैयार किया गया है।

29 व 30 जून को होगी 40वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद जिला एथलेटिक्स संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित की गई। बैठक में 40वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर आवश्यक निर्णय लिए गए।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 40वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 29 एवं 30 जून 2026 को किया जाएगा। प्रतियोगिता प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा द्वारा किया जाएगा।

बैठक में आयोजन की तैयारियों, खिलाड़ियों की सहभागिता तथा प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में संघ की अध्यक्ष कीरन रानी नायक, सुनील मिश्रा, प्रदीप घोष, सरफराज खान, जयराम भगत, बिनोद राउत, तारकनाथ दास, राणा प्रताप सिंह, राजेश राम, अनिकेत दुबे, गौतम कुमार महतो, अनुज कुमार, मिथलेश कुमार, शौरभ कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

यह जानकारी धनबाद जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव बंधन टोप्पो ने दी।

झारखंड सरकार जल्द अत्यंत पिछड़ा समाज आयोग का पूर्ण गठन करेः युवा अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः युवा अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी की एक आवश्यक बैठक रविवार को धनबाद स्थित परिसदन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आकाश रवानी ने की, जबकि संचालन पवन कुमार चंद्रवंशी ने किया।

बैठक में संगठन के विस्तार एवं मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सभी युवाओं से 18 एवं 19 जुलाई को रांची में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को सफल बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया।

अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष आकाश रवानी ने कहा कि समाज के युवाओं को एक सशक्त आवाज देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज के सदस्य सूरज सिंह को कथित रूप से झूठे मामले में फंसाए जाने की घटना निंदनीय है। इस मामले में संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल 1 जुलाई को लातेहार जाकर संबंधित अधिकारियों से मुलाकात करेगा तथा न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल चंद्रवंशी ने कहा कि समाज अब संगठित हो रहा है और अपने राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान संगठन में नए पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। गोलू रवानी, वैभव चंद्रवंशी एवं अभय चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष, पवन कुमार चंद्रवंशी को महासचिव तथा श्रवण कुमार को सचिव मनोनीत किया गया।

कार्यक्रम में दिनेश रवानी, अजय रवानी, अजीत चंद्रवंशी, रोहित रवानी, सौरभ चंद्रवंशी, श्यामसुंदर चंद्रवंशी, मिक्की रवानी, रवि कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

मन की बात सुनने के बाद विधायक राज सिन्हा ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद विधायक राज सिन्हा ने रविवार को मनईटांड़ मंडल अंतर्गत बूथ संख्या 329 स्थित दुहाटांड़ हनुमान मंदिर परिसर में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का श्रवण किया।

इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 'वोकल फॉर लोकल', प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का प्रत्येक संदेश राष्ट्र निर्माण एवं जनभागीदारी को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

कार्यक्रम के उपरांत विधायक राज सिन्हा ने मंडल अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा एवं उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता के सहयोग से आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं भी नेत्र परीक्षण कराया तथा लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की।

विधायक ने कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर जनजागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को भी मजबूत करते हैं।

मौके पर महामंत्री रुपेश सिन्हा, रिंकू सिंह, दीपक झा, सतीश रजक, दिवेश सिंह, विकास गुप्ता, सपन कश्यप, अखिलेश गुप्ता, धीरज शर्मा, रंजीत सिंह, सनोज कुशवाहा, सुनीता साव, निशांत पंडित, पवन साव, अनमोला भारती, सुरेंद्र सिंह, गणेश महतो सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। विधायक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

चित्रपट फिल्म फेस्टिवल में धनबाद के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, दो फिल्मों को मिला राज्यस्तरीय सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः राजधानी रांची स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में 26 से 28 जून तक आयोजित चित्रपट फिल्म फेस्टिवल-2026 में धनबाद जिले के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। राज्यभर से प्राप्त 84 फिल्मों में से 67 फिल्मों का अंतिम चरण के लिए चयन किया गया था, जिनमें धनबाद की दो फिल्में भी शामिल थीं।

फेस्टिवल के दौरान फिल्म निर्माण, पटकथा लेखन, निर्देशन एवं मीडिया से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान बीबीएमकेयू के जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित दो फिल्मों ने विशेष उपलब्धि हासिल की।

रिशु राय एवं प्रीति तिवारी के निर्देशन में निर्मित कैंपस डॉक्यूमेंट्री "झरिया : द बर्निंग लैंड" ने प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सौरभ कुमार एवं आरोही कुमारी के निर्देशन में बनी फिल्म "एकल की छांव में" को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, चित्रपट के निर्देशक नंद किशोर सिंह तथा सीयूजे के डीन देवव्रत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विजेता छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास और सहयोग को दिया। टीम के अन्य सदस्यों में प्रतीक कुमार, प्रदीप लायक, रुद्र बरनवाल एवं आयुष सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों के परिजनों एवं जनसंचार विभाग के शिक्षकों ने सभी विजेता छात्रों को बधाई दी। विद्यार्थियों की इस सफलता से विभाग में उत्साह का माहौल है। यह उपलब्धि साबित करती है कि प्रतिभा, मेहनत और टीमवर्क के बल पर बीबीएमकेयू के छात्र राज्यस्तरीय मंचों पर अपनी मजबूत पहचान बनाने में सक्षम हैं।संभावित शीर्षकः "चित्रपट फिल्म फेस्टिवल में बीबीएमकेयू के छात्रों का जलवा, दो फिल्मों को मिला पुरस्कार"।

पल्स पोलियो की खुराख पिलाई गई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः प्रखंड क्षेत्र में रविवार क बच्चों को पल्स पोलियो की खुराख पिलाई गई ।इसकी शुरुआत गोला पंचायत में बच्चों को दो बूंद खुराख पिलाकर पोलियो अभियान की शुरुआत की गई। गोला पंचायत में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत उप मुखिया जितेन्द्र कुमार साहू ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवन रक्षक दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर साहू ने कहा कि "पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं। यही स्वस्थ, सुरक्षित और पोलियो मुक्त भारत की सबसे मजबूत नींव है।उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। अपने अपने बुथ पर जाएं और बच्चों को पोलियों की दवा जरूर पिलाएं ।तथा इस जनहित अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें। मौके पर सहिया दीदी नुतन देवी, सावित्री देवी आदि मौजूद थे।

अवैध निर्माण पर निगम की बड़ी कार्रवाई, गोल्डेन वेडिंग पैलेस ध्वस्त करने का आदेश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

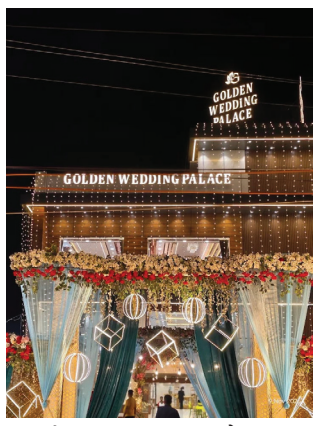

धनबादः धनबाद नगर निगम ने भवन वाद संख्या-02/2026 में महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए भूली बाईपास रोड स्थित आरा मोड़ के "गोल्डेन वेडिंग पैलेस" को अवैध निर्माण घोषित कर दिया है। जांच में पाया गया कि भवन का निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे के किया गया है तथा इसमें अनिवार्य सेटबैक और पार्किंग जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं का भी अभाव है। इसके बावजूद भवन का उपयोग विवाह भवन के रूप में किया जा रहा था।

नगर निगम के अनुसार सुनवाई के दौरान भवन स्वामी को अपना पक्ष रखने एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिया गया, लेकिन वे भवन की वैध स्वीकृति संबंधी कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं करा सके। भवन स्वामी ने भी नक्शा स्वीकृत नहीं होने की बात स्वीकार की तथा नियमितीकरण के लिए आवेदन करने की इच्छा जताई।

उपलब्ध साक्ष्यों एवं झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 के प्रावधानों के आधार पर नगर आयुक्त ने निर्माण को अनधिकृत घोषित करते हुए भवन स्वामी को 15 दिनों के भीतर स्वयं अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया है। आदेश का पालन नहीं करने पर नगर निगम भवन को ध्वस्त करेगा और इसकी पूरी लागत भवन स्वामी से वसूली जाएगी।

इसके अलावा भवन स्वामी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जिसे 15 दिनों के भीतर नगर निगम कोष में जमा करना होगा। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी निर्माण कार्य से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से नक्शा स्वीकृत अवश्य कराएं, अन्यथा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने धनबाद विधानसभा के वॉलिंटियर्स को दिया प्रशिक्षण

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ की करेंगे सहायता

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने रविवार न्यू टाउन हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) में बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान वॉलिंटियर्स को विभिन्न प्रपत्र, मतदाता सूची में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट मतदाताओं से संबंधित जानकारी, गणना प्रपत्र इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रियाओं को सुगम, समावेशी और शत-प्रतिशत त्रुटिहीन बनाना है, जिसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी विभिन्न जानकारी दी गई।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने सभी वॉलेंटियर्स से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की।

प्रशिक्षण में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अंचल अधिकारी धनबाद राम प्रवेश, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय आम समागम में बरहरवा के आमों का जलवा, आम खाने की प्रतियोगिता में पहला स्थान

साहिबगंज। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर) में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय आम समागम सह कार्यशाला में साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड के किसानों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने उत्कृष्ट आमों की प्रदर्शनी लगाकर विशेष पहचान बनाई। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के माध्यम से हुई इस सहभागिता को कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आगंतुकों ने सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया।

प्रदर्शनी में तेतुलिया गांव की नुरजहाँ खातून, नारजिना खातून, रहीम विश्वास तथा जगरनाथपुर की असलेमा खातून सहित अन्य प्रतिभागियों ने अपने बागानों में उत्पादित विभिन्न किस्मों के आम प्रदर्शित किए। कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने आम की उन्नत खेती, रोग एवं कीट प्रबंधन, गुणवत्ता सुधार, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विभिन्न राज्यों से आए किसानों और उद्यमियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान बरहरवा के आमों की गुणवत्ता, स्वाद और विविधता की खूब सराहना हुई। वहीं आयोजित आम खाने की प्रतियोगिता में बरहरवा के प्रतिनिधि ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता को 1,500 रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी से क्षेत्र के आमों को नई पहचान मिलेगी और किसानों के लिए बेहतर बाजार तथा नए अवसर उपलब्ध होंगे।

गोलढाब-चुआर से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, विकास कार्यों की भी हुई समीक्षा

साहिबगंज। उधवा प्रखंड के दक्षिण पलाशगाछी एवं पश्चिमी प्राणपुर पंचायत अंतर्गत गोलढाब-चुआर में रविवार को जिला उपायुक्त दीपक कुमार दुबे और राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। दोनों ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभिभावकों से सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की।

अभियान के बाद उपायुक्त और विधायक ने क्षेत्र की विकास योजनाओं की समीक्षा की तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। दक्षिण पलाशगाछी की मुखिया नफीसा खातून ने बाढ़ राहत चबूतरा निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सोलर जलापूर्ति प्लांट की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था, बाढ़ सुरक्षा, सड़क, पुल-पुलिया सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास की मांग रखी।

मोहम्मद ताजुद्दीन ने कहा कि गोलढाब-चुआर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों का विकास उनकी प्राथमिकता है और पंचायत की सभी महत्वपूर्ण मांगों को संबंधित विभागों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं दीपक कुमार दुबे ने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित निगरानी, गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल, सिविल सर्जन डॉ. उदय टुडू, डॉ. गुफरान अंसारी, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री के निर्देश पर केवट टोला का निरीक्षण, स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

पेटरवार। बुंडू पंचायत के केवट टोला में स्वच्छता एवं जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्रामीणों द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद को दिए गए आवेदन के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया। मंत्री के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष महतो ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई घरों से निकलने वाला गंदा पानी, शौचालय का अपशिष्ट और अन्य दूषित जल खुले स्थानों तथा सड़कों पर बहाया जा रहा है, जिससे आसपास गंदगी फैल रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों से घरों का गंदा पानी सड़क पर नहीं बहाने, उचित जल निकासी की व्यवस्था करने तथा सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान बुंडू पंचायत के मुखिया पति रितेश सिंहा, सत्यम प्रसाद, अखिलेश महतो, ज्योति देवी, कागल देवी, माया देवी, अनिता देवी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

एससी-एसटी व महिला उद्यमियों के लिए 13-15 जुलाई तक तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम

डुमरी: इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर एससी-एसटी एंड वूमेन एंटरप्रेन्योर्स, झारखंड द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, युवा एवं महिला उद्यमियों तथा स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 13 जुलाई को डुमरी, 14 जुलाई को गिरिडीह तथा 15 जुलाई को धनबाद में आयोजित होगा।कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा स्वरोजगार, लघु उद्योग, सरकारी योजनाओं, स्टार्टअप, व्यवसाय स्थापना एवं वित्तीय सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी।आईसीसीएसटीडब्ल्यूई, झारखंड के राज्य महासचिव रवींद्र कुमार महतो ने सभी युवाओं, महिला उद्यमियों एवं व्यवसायियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

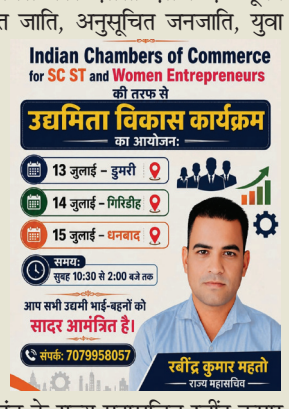

जामताड़ा में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, पहले दिन 91.82% बच्चों को पिलाई गई खुराक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। सदर अस्पताल जामताड़ा में राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के तहत उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया और नवजात शिशुओं को पोलियो की खुराक पिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक गांव और पंचायत तक पहुंचकर 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उपायुक्त ने बताया कि अभियान के पहले दिन बूथ दिवस के तहत जिले के 937 बूथों पर पोलियो की दवा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर 30 ट्रांजिट टीमों की तैनाती की गई है, ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके। उन्होंने कहा कि 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों से पूरी निष्ठा के साथ अभियान को सफल बनाने तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

आलोक कुमार ने कहा कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, जिससे समय पर बचाव नहीं होने पर बच्चे को आजीवन दिव्यांगता का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंच सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की भ्रांति के कारण बच्चों के छूटने से बचने पर विशेष जोर दिया।

सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्रा ने बताया कि जिले में 1,28,055 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन 1,17,583 बच्चों को दवा पिलाई गई, जो कुल लक्ष्य का 91.82 प्रतिशत है। कार्यक्रम में अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. दिनेश प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निलेश कुमार, डीपीएम प्रदीप महतो सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

बारिश में डूबने लगती हैं मिर्जाचौकी की सड़कें, रेलवे ट्रैक तक पहुंचता है पानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। मंडरो प्रखंड के मिर्जाचौकी क्षेत्र में हल्की बारिश के बाद भी जलजमाव की समस्या गंभीर रूप ले लेती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मिर्जाचौकी फाटक के पास पुलिया से तेज बहाव के साथ पानी मुख्य सड़क पर फैल जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। तेज बहाव के कारण कई बार सड़क और गड्ढों का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है।

लगातार बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों से उतरने वाला पानी रेलवे ट्रैक तक पहुंच जाता है, जिससे मिर्जाचौकी रेलवे पटरी पर भी जलभराव की स्थिति बन जाती है। वहीं पासीटोला सहित कई मोहल्लों और गांवों में घरों के आसपास पानी जमा हो जाने से लोगों की चिंता बढ़ जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बरसात के दिनों में मकानों को भी नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में मंडरो और साहिबगंज से कई अधिकारी क्षेत्र का निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं हो सकी है। लोगों ने प्रशासन से बरसात के मौसम को देखते हुए शीघ्र स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि सड़क, रेलवे ट्रैक और रिहायशी इलाकों में होने वाले जलजमाव से राहत मिल सके।

डुमरी में 3 दिवसीय पल्स पोलियो अभियान शुरू, 36,556 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: प्रखंड के विभिन्न पोलियो बूथों पर रविवार से 3 दिवसीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत हुई। रेफरल अस्पताल में अभियान का शुभारंभ उपप्रमुख उपेंद्र महतो और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश महतो ने बच्चों को दो बूंद पोलियो ड्रॉप पिलाकर किया। इससे पहले दीप प्रज्ज्वलित कर और फीता काटकर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश महतो ने बताया कि अभियान का उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है।

पहले दिन 240 पोलियो बूथों पर दवा पिलाई गई। दूसरे और तीसरे दिन घर-घर जाकर बच्चों को खुराक दी जाएगी। इस अभियान में कुल 36,556 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य को पूरा करने के लिए 480 कर्मियों को पोलियो बूथों पर लगाया गया है। साथ ही 50 सुपरवाइजर और 12 पोलियो वैन भी तैनात हैं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा छूट न जाए। अभियान में सहिया, आंगनबाड़ी सेविका, एएनएम व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की टीम काम कर रही है। डॉ. महतो और उपप्रमुख उपेंद्र महतो ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलवाएं और किसी भी बच्चे को इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहने दें।

उपप्रमुख ने कहा कि सभी के सहयोग से ही पोलियो मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. कामेश्वर महतो, डॉ. सरोज कुमारी, डॉ. बिदुषी, डॉ. राहुल अग्रवाल, डॉ. पावेल पराशर, डॉ. मंसूर आलम, बीटीटी मानिकचंद महतो, उषा देवी, अर्जुन मोदी, एमटीसी मालो कुमारी, बिजेता राज, अनिता खलको, एएनएम ममता समद, रानी, बीडीएम विक्की कुमार, सहिया गुरिया कुमारी सहित सभी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

भारतीय वॉलीबॉल टीम के असिस्टेंट कोच बने दुमका के शिक्षक अमित कुमार

» विश्व स्कूल चैंपियनशिप में निभाएंगे अहम भूमिका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। दुमका जिले के रामगढ़ प्रखंड स्थित +2 उच्च विद्यालय ठाड़ीहाट कुसियाम के शारीरिक शिक्षा शिक्षक अमित कुमार का चयन भारतीय वॉलीबॉल टीम के असिस्टेंट कोच के रूप में हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, रामगढ़ प्रखंड, दुमका जिला और पूरे झारखंड में खुशी का माहौल है। वे 1 से 10 जुलाई 2026 तक चीन के शांगलु शहर में आयोजित होने वाली वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप (अंडर-18 बालक एवं बालिका वर्ग) में भारतीय टीम के साथ शामिल होंगे।

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के पत्रांक 082/एसजीएफआई कोचिंग कैंप 2026-27 के अनुसार, अमित कुमार भारतीय टीम के खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण देने के साथ-साथ मैचों के दौरान रणनीति तैयार करने और टीम का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

अमित कुमार लंबे समय से विद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके प्रशिक्षण में कई छात्र-छात्राओं ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष सोरेन ने कहा कि अमित कुमार एक अनुशासित, कर्मठ और प्रेरणादायी शिक्षक हैं। उन्होंने बताया कि उनके मार्गदर्शन में दो वर्ष पूर्व विद्यालय की छात्रा संगीता हांसदा का चयन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ था।

चयन की आधिकारिक घोषणा के बाद विद्यालय में उत्साह का माहौल है। विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, जिला वॉलीबॉल संघ, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने अमित कुमार को बधाई देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय के शिक्षक का भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होना युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा है।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को यदि उचित प्रशिक्षण और अवसर मिले तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकती हैं। अमित कुमार की उपलब्धि इसी का सशक्त उदाहरण है। क्षेत्रवासियों ने उनके सफल कार्यकाल और विश्व स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

डुमरी में एनसीबी ने पकड़ा 68 लाख के गांजा कारोबार का आरोपी, लोकल पुलिस ने टीम को रातभर रोका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: डुमरी थाना क्षेत्र के बेरमो मोड़ में अंतरराज्यीय गांजा तस्करी में संलिप्त अमरा पंचायत के तांबागुड़ियो निवासी सत्यम मिश्रा को हैदराबाद की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) टीम ने फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार किया।एनसीबी की टीम आरोपी को लेकर जा रही थी, तभी डुमरी और निमियाघाट थाने की पुलिस ने तोपचांची के पास एनएच-19 पर बैरिकेडिंग कर और रिवॉल्वर तानकर टीम की इनोवा कार रोक ली। किडनैपिंग की अफवाह फैलाकर आरोपी सहित पूरी एनसीबी टीम को निमियाघाट थाना ले जाया गया, जहां उन्हें रातभर रोका गया। रविवार को सभी को डुमरी पुलिस के हवाले कर दिया गया।डुमरी थाना प्रभारी के अनुसार, सत्यम मिश्रा ने 68 लाख रुपये के नशीले पदार्थों का लेनदेन किया था। पुलिस का यह हस्तक्षेप आरोपी को बचाने या कार्रवाई का श्रेय लेने की कोशिश माना जा रहा है।एनसीबी 1986 में स्थापित, अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के मामलों में देश की शीर्ष एजेंसी है। यह एनडीपीएस अधिनियम के तहत काम करती है और राज्य पुलिस के साथ समन्वय कर बड़े नेटवर्क तोड़ती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर गिरिडीह ले जाया जाएगा। इसके बाद एनसीबी आरोपी को अपने साथ ले जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक आरोपी और उसके परिवार की जीवनशैली पिछले 2-3 सालों में अचानक बदल गई थी। साइकिल पर सब्जी बेचने वाला युवक अचानक बुलेट बाइक और क्रेटा कार का मालिक बन गया। उसने पक्का मकान बनाया और डुमरी में लाखों की जमीन भी खरीदी।डुमरी प्रखंड क्षेत्र में गांजा समेत अन्य महंगे नशीले पदार्थों का धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है। यदि पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करे तो कई लोग, खासकर युवा, सलाखों के पीछे होंगे। चौक-चौराहों की कई गुमटियों में आसानी से गांजा उपलब्ध है।

मंदिर टोला में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, मुखिया निहारिका सुकृति ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत बुंडू पंचायत के मंदिर टोला में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ मुखिया निहारिका सुकृति ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया। इस अवसर पर जिला के राज्य प्रशिक्षक सुरेंद्र प्रसाद ठाकुर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया निहारिका सुकृति ने कहा कि भारत के पड़ोसी देशों में पोलियो के कुछ मामले सामने आने के बाद भारत सरकार ने एहतियात के तौर पर पुनः पल्स पोलियो अभियान चलाने का निर्णय लिया है, ताकि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के साथ-साथ बच्चों को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और इस अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही पोलियो जैसी बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

पेटरवार में सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत, एक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मृतक ननकी देवी

पेटरवार। रांची बोकारो मुख्य मार्ग (एन एच 23) में पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत चरगी में सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। घटना रविवार लगभग 12 बजे दिन की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत बगदा निवासी राजा कुमार (25) अपनी माता ननकी देवी (45) का चितरपुर में इलाज कराकर मोटरसाइकिल से पेटरवार की ओर आ रहा था। इसी दौरान चरगी में एक अन्य मोटरसाइकिल के द्वारा चकमा दिए जाने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान राजा कुमार एवं ननकी देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार में भर्ती किया गया। जहां चिकित्सा पदाधिकारी ने ननकी देवी को मृत घोषित कर दिया । इस दौरान राजा कुमार को भी गंभीर चोट लगी है। जानकारी मिलने पर पेटरवार पुलिस मौके पर पहुंची ओर आगे की कार्रवाई में जुट गई। मृतक के परिजनों का दो रोकर बुरा हाल है।

जामताड़ा में बिना पंजीकरण चल रहे निजी अस्पतालों पर होगी कार्रवाई, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। जिले में बिना पंजीकरण संचालित निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, पॉलीक्लिनिक और क्लीनिकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्र ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में जामताड़ा जिले में केवल 21 निजी क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट ही स्वास्थ्य विभाग से विधिवत पंजीकृत हैं। इनके अलावा यदि कोई भी निजी स्वास्थ्य संस्थान मरीजों का इलाज करते हुए पाया जाता है, तो उसे अवैध माना जाएगा और उसके विरुद्ध क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिविल सर्जन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी निजी अस्पताल, नर्सिंग होम या क्लीनिक में इलाज कराने से पहले उसके पंजीकरण की पुष्टि अवश्य कर लें। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण संचालित संस्थानों में इलाज कराना मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में पंजीकृत निजी स्वास्थ्य संस्थानों में पारस अस्पताल, मेडिशा हॉस्पिटल, परमानंद हॉस्पिटल एलएलपी, बायो केयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नारायणपुर), वात्सल्य हॉस्पिटल, सिटी हॉस्पिटल, पॉपुलर नर्सिंग होम, शालिग्राम हॉस्पिटल, एसएस हेल्थ यूनिट, गीतांजलि नर्सिंग होम, मुस्कान हॉस्पिटल, संत साही आशा नर्सिंग होम, एसएस हॉस्पिटल, जामताड़ा मेमोरियल हॉस्पिटल, जय मां चंचला हॉस्पिटल (नारायणपुर), सबीना हॉस्पिटल, इंडियन ब्लू हॉस्पिटल (नारायणपुर), एम.एस. नर्सिंग होम (नारायणपुर), अनुपम सेवा सदन, सुशीला हॉस्पिटल तथा मेसो ग्रामीण हॉस्पिटल (नाला) शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि बिना वैध पंजीकरण के संचालित किसी भी अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक या पॉलीक्लिनिक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने नागरिकों से केवल पंजीकृत संस्थानों में ही उपचार कराने तथा किसी भी संदिग्ध या गैर-पंजीकृत स्वास्थ्य संस्थान की सूचना तत्काल स्वास्थ्य विभाग को देने की अपील की है। विभाग का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 29 जून, 2026

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं ख़ुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं।

सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब ख़ुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और ख़ुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम ख़ुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी ख़जाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

ईरान कैसे बना महाशक्ति

तनवीर जाफ़री

अमेरिका, इज़राइल द्वारा ईरान पर जून 2025 में 12 दिन का और उसके बाद 28 फरवरी 2026 को लगभग 40 दिन का युद्ध थोपा गया था। अचानक थोपे गये इस युद्ध में हालांकि ईरान को जान व माल का काफ़ी नुक़सान हुआ परन्तु ईरान ने भी परमाणु शक्ति संपन्न हुये बिना ही इन दोनों परमाणु शस्त्र संपन्न देशों को ऐसा करारा जवाब दिया कि आख़िरकार स्वयं को विश्वविजेता कहलाने वाले अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने के रास्ते तलाशने पड़े। इतने कम समय के युद्ध में अमेरिका व इस्राईल को इतना नुक़्सान पहले कभी नहीं उठाना पड़ा। आज अमेरिका से लेकर इस्राईल तक की जनता यह स्वीकार कर रही है कि इस युद्ध में हर मोर्चे पर ईरान ही विजेता रहा है । क्योंकि ईरान अमेरिका द्वारा युद्धोपरांत हस्ताक्षर किये गये सहमति पत्र में स्वीकार की गयी अधिकांश बातें ईरान के हक़ में तथा ईरान को फ़ायदा पहुँचाने वाली हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा पुनः युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन कर ईरान पर कई बड़े हमले करने व ईरान द्वारा भी कुवैत व बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कड़ी जवाबी कार्रवाई करने के समाचार हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंधों का भी सामना करने वाले इस देश ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका व इज़राइल जैसे शक्तिशाली,चालबाज़ व छल कपट में माहिर देशों का एक साथ मुक़ाबला कैसे किया?

इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरानी लोग मुसलमानों के उस शिया वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं जो हज़रत अली,हज़रत इमाम हुसैन व करबला की उस घटना से प्रेरणा लेते हैं जो असत्य,अन्याय व अत्याचार के आगे कभी सर न झुकाने की सीख देती है। इसके साथ साथ ईरान ने धरातल पर जो दूरगामी व सधी हुई रणनीति अपनाई उसी ने ईरान को न केवल अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों पर विजय दिलाई बल्कि ईरान को विश्व की महाशक्तियों की सूची में भी शामिल कर दिया। अमेरिका व इस्राईल की नाराज़गी के भय से पूरे युद्ध के दौरान आधिकारिक रूप से किसी भी देश ने ईरान की सहायता नहीं की न ही ईरान ने खाने-पीने की चीज़ों व दवाईयों तक के लिये कोई अपील जारी की। युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीज़ल ईरानियों के लिये निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हज़ारों ईरानी अपने देश की रक्षा की ग़रज़ से स्वदेश वापस ज़रूर लौटे। युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नज़र आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकीयान स्वयं बाज़ारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायज़ा लेते नज़र आये । सवाल यह है कि ईरान के लोगों व वहाँ के नेतृत्व में इतना दृढ़ विश्वास आया कहाँ से? तो आइये नज़र डालते हैं कुछ उन छोटी छोटी सामान्य बातों पर जिसे भले ही दुनिया के अधिकांश देशों के लोग व वहाँ का नेतृत्व सम्मान या सम्पन्नता की नज़रों से क्यों नदेखते हों परन्तु ईरान के लोगों ने इनसे दूर रहना ही राष्ट्रहित में समझा। मिसाल के तौर पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने अपना निजी मकान तक नहीं ख़रीदा। ईरान के मंत्रियों और शीर्ष सैन्य अधिकारीयों व अन्य आला अफ़सरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई करने नहीं जाते। ईरानी सरकार का कोई भी सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी विदेशी बैंकों में पैसे जमा नहीं कर सकते। ईरान का कोई भी मंत्री,जनरल या उच्चाधिकारी देश के बाहर कोई दूसरा मकान नहीं बनाता। ईरान के सुप्रीम लीडर बिना दिखावे व प्रचार के रोज़ाना 18 घंटे काम करते हैं। वहां कोई भी अमेरिकन या यूरोपीय शिक्षण संस्थान नहीं हैं। ईरान में साक्षरता दर 97 प्रतिशत है क्योंकि शिक्षा मुफ़्त है। इसीलिये वहां के अधिकांश लोग डॉक्टर इंजीनियर,प्रोफ़ेसर आदि हैं जिसका साक्षात् नतीजा ईरान ने पिछले युद्ध के दौरान अपनी ड्रोन व मिसाईल क्षमता को साबित कर दुनिया को दिखा भी दिया। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद वहां जनता की जेब काटने जैसी कोई टैक्स व्यवस्था नहीं है। यदि परिस्थितिवश वहां मूलयवृद्धि होती भी है तो दूसरी तरफ़ सुप्रीम लीडर के बजट से लोगों को साथ साथ उतनी ही राहत भी दी जाती है। वहां महिलायें कम्युनिटी प्रोग्राम में हिस्सा लेती हैं। प्रसव निःशुल्क हैं, साथ ही बच्चे के जन्म पर मां के खाते में कम से कम 20,000 रू का उपहार भी भेजा जाता है। प्रत्येक इलाज का 70% सरकार देती है, जबकि 30% मरीज़ देता है। चोरी, डकैती,बेईमानी,बलात्कार जैसे अपराध बिल्कुल नहीं है। चंदा या दान चोरी की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। वहां रॉयल कल्चर या प्रोटोकॉल जैसी कोई चीज़ नहीं है। ईरान भिखारी रहित देश है। वहां के नियमानुसार पुलिस सूर्यास्त से सूर्योदय तक किसी अपराधी के घर में नहीं घुस सकती क्योंकि वह समय उसकी पत्नी और बच्चों का होता है। वहाँ की जेलें ख़ाली हैं, और अगर कोई अपराधी जेल जाता भी है, तो उसे जेल में काम दिया जाता है, जिसकी तंख़्वाह/मज़दूरी उसके घर भेजी जाती है ताकि उसके परिवार के लोग पैसों के अभाव में किसी अपराध में शामिल न हों। ईरान में धर्म जाति जैसी कोई विसंगति नहीं है इसलिये कभी साम्प्रदायिक व जातीय दंगे नहीं होते। छुआछूत जादू टोना जैसी कोई प्रथा नहीं है। यहां विभिन्न धर्मों के मानने वाले व उनके अनेक पूजा स्थल हैं, धर्म के मामलों में सभी को पूरी आज़ादी है। यहां अध्यापकों को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है। घरेलू नौकर रखने का यहाँ चलन नहीं है। अपने सभी घरेलू काम स्वयं करने पड़ते हैं। इतने अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद यहाँ के लोगों के चेहरों पर हंसी मुस्कान व संतोष नज़र आता है। कोई भी व्यक्ति चिढ़ा कुढ़ा या ग़ुस्से में नज़र नहीं आता। ईरानियों के इसी स्वभाव हौसले,जज़्बे,कुर्बानी व उनके ईमान की वजह से ही दुनिया के तमाम देश जहाँ अमेरिका व इस्राईल से नफ़रत करने लगे हैं बल्कि वे ईरान से प्यार भी कर रहे हैं व उनका साथ भी दे रहे हैं। इन्हीं व इन जैसे अनेक कारणों की वजह से ही लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंध झेलने व अमेरिका जैसी महाशक्ति से लोहा लेने वाला देश आज न केवल विजेता बनकर उभरा है बल्कि इसने विश्व की महाशक्तियों में भी अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है।
- गीता
धर्म करते हुए मर जाना अच्छा है पर पाप करते हुए विजय प्राप्त करना अच्छा नहीं। - महाभारत

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की आज चतुर्दशी तिथि (यह तिथि देर रात/अगले दिन सुबह 03:06 AM तक रहेगी, इसके बाद पूर्णिमा तिथि शुरू होगी) इसके अतिरिक्त आज रविवार का दिन है और दोपहर 12:39 बजे तक ज्येष्ठा नक्षत्र था, जिसके बाद अब मूल नक्षत्र लग चुका है।

आज जन्म लिए बालक का फल...

बच्चे की राशि वृश्चिक रहेगी, जिसका स्वामी मंगल ग्रह है। मंगल के प्रभाव के कारण बच्चा बेहद साहसी और निडर होगा। इस दिन दोपहर 12:39 बजे तक ज्येष्ठा नक्षत्र है, जिसके बाद मूल नक्षत्र की शुरुआत हो रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गंडमूल नक्षत्र में जन्मे बच्चों के स्वास्थ्य और स्वभाव पर विशेष ध्यान देना होता है।

मेष राशिः परिवार के साथ आज आप हंसी खुशी पल बिताएंगे।

वृष राशिः महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। व्यक्तित्व में निखार आयेगा।

कन्या राशिः आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। स्टेशनरी के काम से जुड़े लोगों को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी।

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक : खेती का नया और स्मार्ट विकल्प

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

कम पानी, कम जगह और अधिक उत्पादन की आधुनिक खेती

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि भूमि और जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव के बीच खेती की नई और टिकाऊ तकनीकों की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। ऐसे समय में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक कृषि क्षेत्र में एक अभिनव और प्रभावी विकल्प बनकर उभर रही है। यह ऐसी आधुनिक खेती पद्धति है, जिसमें मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती और पौधों को पानी में घुले पोषक तत्वों के माध्यम से उगाया जाता है। क्या है हाइड्रोपोनिक्स तकनीक? : हाइड्रोपोनिक्स एक वैज्ञानिक कृषि पद्धति है, जिसमें पौधों की जड़ों को पोषक तत्वों से युक्त पानी में रखा जाता है। इस तकनीक में मिट्टी के स्थान पर विशेष माध्यमों का उपयोग किया जाता है, जिससे पौधों को आवश्यक पोषण सीधे प्राप्त होता है। परिणामस्वरूप पौधों की वृद्धि तेजी से होती है और उत्पादन भी बेहतर मिलता है। कम संसाधनों में अधिक उत्पादनः हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पारंपरिक खेती की तुलना में बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। सीमित भूमि वाले किसान, शहरी क्षेत्रों के निवासी तथा छोटे उद्यमी भी इस तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक खेती कर सकते हैं। नियंत्रित वातावरण में फसल उत्पादन होने के कारण मौसम का प्रभाव भी अपेक्षाकृत कम पड़ता है। पोषण सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सहायक : विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोपोनिक्स तकनीक गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कम पानी की खपत, रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग और भूमि पर कम दबाव के कारण यह तकनीक पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देती है। यही कारण है कि इसे भविष्य की टिकाऊ कृषि पद्धतियों में शामिल किया जा रहा है। युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसर : हाइड्रोपोनिक्स तकनीक केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वरोजगार और कृषि उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करती है। कम स्थान में व्यावसायिक स्तर पर सब्जियां, हरी पत्तेदार फसलें और अन्य उच्च मूल्य वाली फसलें उगाकर अच्छी आय अर्जित की जा सकती है। इससे युवाओं को कृषि आधारित स्टार्टअप शुरू करने का अवसर मिल रहा है। सरकार दे रही आधुनिक कृषि को बढ़ावा : केंद्र और राज्य सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने और आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विभाग तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इससे किसान आधुनिक खेती अपनाकर उत्पादन और आय दोनों बढ़ा सकते हैं। भविष्य की खेती की ओर एक मजबूत कदम : हाइड्रोपोनिक्स तकनीक कृषि क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग खोल रही है। यह तकनीक कम संसाधनों में अधिक उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता और पर्यावरण संरक्षण का संतुलित समाधान प्रस्तुत करती है। आने वाले समय में यह पद्धति किसानों, युवाओं और कृषि उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है। आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक सोच के साथ हाइड्रोपोनिक्स खेती न केवल कृषि को अधिक लाभकारी बना रही है, बल्कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

(लेखक संयुक्त संचालक, सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं)

पश्चिम एशिया में फिर गहराए संकट के बादल

सर्वेश तिवारी

अमेरिका द्वारा ईरान में कई सैन्य ठिकानों पर किए गए ताज़ा हमलों ने साफ कर दिया है कि क्षेत्र में शांति अभी भी बेहद नाज़ुक है। कुछ समय पहले तक यह उम्मीद की जा रही थी कि तनाव धीरे-धीरे कम होगा, लेकिन ताज़ा घटनाक्रम ने दुनिया को फिर उसी सवाल के सामने खड़ा कर दिया है कि क्या अंतरराष्ट्रीय राजनीति अब केवल ताकत के प्रदर्शन तक सीमित रह गई है। यह केवल अमेरिका और ईरान का विवाद नहीं है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति और वैश्विक शांति पर पड़ने वाला है। अमेरिका का कहना है कि उसने ईरान के उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में अमेरिकी हितों और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के खिलाफ गतिविधियों में किया जा रहा था। दूसरी ओर ईरान ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ करार दिया है। दोनों देशों के बीच बयानबाज़ी लगातार तेज़ हो रही है। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दोनों ही देश सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। किसी भी नई सैन्य कार्रवाई का असर केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया और उसके बाहर भी महसूस किया जाएगा। पिछले डेढ़-दो वर्षों में पश्चिम एशिया लगातार हिंसा और अस्थिरता का सामना कर रहा है। गाज़ा युद्ध, लेबनान सीमा पर संघर्ष, लाल सागर में जहाज़ों पर हमले, सीरिया और इराक में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ और अब अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ा तनाव इस पूरे क्षेत्र को लगातार संकट में बनाए हुए हैं। विभिन्न संघर्षों को मिलाकर अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अकेले गाज़ा में ही मरने वालों की संख्या 50 हजार से अधिक बताई जा चुकी है, जबकि लेबनान, इज़राइल, सीरिया, यमन और अन्य क्षेत्रों को जोड़ दिया जाए तो कुल मानवीय क्षति और भी अधिक हो जाती है। लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अस्पताल, स्कूल, सड़कें, बिजली संयंत्र और नागरिक ढाँचे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

आर्थिक नुकसान का अनुमान सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुँच चुका है और हर नया हमला इस नुकसान को और बढ़ा देता है। युद्ध केवल सीमा पर नहीं लड़ा जाता। उसका सबसे बड़ा असर आम लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। जब किसी शहर पर मिसाइल गिरती है तो केवल एक इमारत नहीं टूटती, बल्कि किसी परिवार के सपने भी बिखर जाते हैं। जब कोई बंदरगाह बंद होता है तो

उसका असर दुनिया भर की फैक्ट्रियों, व्यापार और रोज़गार पर दिखाई देता है। इसलिए यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया की समस्या नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता का विषय है। इस पूरे संकट का सबसे बड़ा आर्थिक असर तेल बाज़ार पर दिखाई देता है। पश्चिम एशिया दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यदि इस मार्ग पर खतरा बढ़ता है तो दुनिया भर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। शुरुआती घबराहट के बाद बाज़ार कुछ शांत हुआ है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि तेल संकट पूरी तरह खत्म हो गया है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। निवेशक और ऊर्जा बाज़ार हर नई सैन्य गतिविधि पर नज़र रखे हुए हैं। यदि तनाव दोबारा बढ़ता है तो पेट्रोल, डीज़ल, रसोई गैस, हवाई यात्रा, माल ढुलाई और रोज़मर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह चिंता और बड़ी है। भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है। यदि तेल महंगा होता है तो सरकार पर आयात बिल का दबाव बढ़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है। उद्योगों की लागत बढ़ेगी और आम उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यही कारण है कि भारत हमेशा पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता का समर्थक रहा है। दक्षिण एशिया के लिए भी यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के सामने यह संदेश रखने की कोशिश की है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग है। "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना के साथ भारत ने अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, विकास और बहुपक्षीय सहयोग की वकालत की है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूती देने और संघर्षों के बजाय विकास पर ध्यान देने की अपील की थी। लेकिन यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बनी रहती है तो भारत के इन प्रयासों को भी झटका लगेगा। खाड़ी देशों में लगभग 90 लाख भारतीय रहते और काम करते हैं। उनके रोजगार, सुरक्षा और आर्थिक हित सीधे इस क्षेत्र की स्थिरता से जुड़े हैं। इसके अलावा भारत और पश्चिम एशिया के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। यदि युद्ध का माहौल लंबा चलता है तो व्यापारिक गतिविधियाँ प्रभावित होंगी, निवेश कम होगा और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ेगी। ऐसे माहौल में विश्वशांति की दिशा में भारत की पहलें भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगी, क्योंकि जब दुनिया संघर्षों में उलझी रहती है तो विकास, जलवायु परिवर्तन, गरीबी उन्मूलन और वैश्विक सहयोग जैसे मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इन घटनाओं ने संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना इस उद्देश्य से हुई थी कि दुनिया दो विश्वयुद्ध जैसी त्रासदी दोबारा न देखे। लेकिन आज जब एक के बाद एक बड़े संघर्ष सामने आ रहे हैं, तब आम लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या संयुक्त राष्ट्र पहले जितना प्रभावी रह गया है? कई बार ऐसा लगता है कि संयुक्त राष्ट्र केवल चिंता व्यक्त करने और युद्धविराम की अपील करने तक सीमित होकर रह गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह सुरक्षा परिषद की मौजूदा व्यवस्था है, जहाँ स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पाते। जब शक्तिशाली देशों के हित टकराते हैं, तब संयुक्त राष्ट्र की क्षमता सीमित दिखाई देती है। हालाँकि यह भी सच है कि दुनिया के पास संयुक्त राष्ट्र जैसा कोई दूसरा वैश्विक मंच नहीं है। इसलिए उसकी प्रासंगिकता खत्म नहीं हुई है, बल्कि उसे और मजबूत बनाने की जरूरत है। आज समय की मांग है कि सुरक्षा परिषद में सुधार हो, विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व मिले, वीटो व्यवस्था पर गंभीर चर्चा हो और अंतरराष्ट्रीय कानून को सभी देशों पर समान रूप से लागू किया जाए। यदि संयुक्त राष्ट्र समय के साथ खुद को नहीं बदलता, तो उसकी विश्वसनीयता पर उठ रहे सवाल और गहरे हो सकते हैं।

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा

रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।
पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ० यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

राजापाकर थाना अध्यक्ष के सिर में लगे 6 टांके

हाजीपुर। वैशाली में ताजिया जुलूस विसर्जन के दौरान राजापाकर थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में छह टांके लगे हैं। थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा ने बताया कि प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों का किसी भी आयोजन समिति या लाइसेंसधारी ने पालन नहीं किया। उन्होंने बताया कि राजापाकर बाजार में निकाली गई ताजिया जुलूस में सबसे पहले तकिया टोला के बुढ़वा अखाड़ा के लाइसेंसधारी ने निर्धारित मार्ग का उल्लंघन किया और दूसरे मार्ग से राजापाकर बाजार पहुंच गए, जबकि उनके ताजिया का विसर्जन सबसे पहले होना था। इसके बाद भुवनेश्वर चौक दर्जी टोला से निकले इस्लामिया अखाड़े के ताजिया को विसर्जन के लिए लाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व उग्र हो गए और उन्होंने थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर घातक हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सिर पर वार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मदद से उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजापाकर ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, थाना अध्यक्ष अब खतरे से बाहर हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार वज्र वाहन और पुलिस बल के साथ राजापाकर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ देर बाद देर रात वैशाली एसपी शुभांक मिश्रा भी राजापाकर पहुंचे और मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान राजापाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर, अंचलाधिकारी गौरव कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने निरीक्षण किया। एसडीपीओ महुआ ने घटनास्थल के पास एक ज्वेलरी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि डीवीआर फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक मामले की छानबीन जारी थी।

नोएडा में रोड एक्सीडेंट, प्रवासी मजदूर की मौत, रोड क्रॉस करते समय पिकअप ने मारी टक्कर

हाजीपुर। दिल्ली से सटे नोएडा में एक सड़क दुर्घटना में वैशाली जिले के एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय पप्पू कुमार के रूप में हुई है, जो महुआ थाना क्षेत्र के रसलपुर उर्फ मधौल वार्ड-15 के निवासी थे। वह भजन राय के पुत्र थे। पप्पू कुमार दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे और अपनी कमाई से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मृत्यु की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की मां गिरजा देवी, पिता भजन राय, पत्नी रूबी कुमारी, भाई पवन कुमार और पंकज कुमार गहरे सदमे में हैं। उनके दो बच्चे, पुत्र आदित्य और पुत्री साक्षी भी इस घटना से आहत हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व जिला परिषद सदस्य अशोक कुमार अकेला सहित कई स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सरकारी सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, सिर में चोट लगने के कारण गई जान, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार सुबह नवादा चौक के पास मानशाही नवादा गांव में हुई। मृतक की पहचान 40 साल के संतोष महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, संतोष महतो और उनके छोटे भाई अशोक महतो के बीच घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर अशोक महतो ने घर में रखे जांता (पत्थर का उपकरण) से संतोष महतो के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी अशोक महतो मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर परिवार और आसपास के लोग इकट्ठा हुए। सूचना मिलते ही मुसहरी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) भेज दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी छोटे भाई अशोक महतो को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। इस मामले पर एसडीपीओ पूर्वी-2 मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुसहरी थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान एक व्यक्ति की हत्या की गई है। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन की जा रही है। हत्या का आरोप मृतक के छोटे भाई पर है, पुलिस की टीम की ओर से तत्काल उसके आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। अब तक किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है।

मुजफ्फरपुर के कांटी स्टेशन पर मजदूर का शव मिला, कान-मुंह से खून निकल रहा था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक मजदूर का शव बरामद किया गया है। यह शव प्लेटफार्म नंबर एक पर स्टेशन मास्टर के कमरे से लगभग सौ मीटर की दूरी पर मिला। मृतक के कान और मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने रेल से गिर कर मौत की आशंका जताई है। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम और रेलवे पुलिस (जीआरपी) बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है और आवश्यक सबूत जुटा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच और स्थानीय लोगों की मदद से मृतक युवक की पहचान हो गई है। उसकी पहचान कांटी प्रखंड के कुसी हरपुर हौरिल गांव निवासी स्वर्गीय उमाशंकर ठाकुर के बेटे विपुल कुमार उर्फ वीजन (30) के रूप में हुई है। विपुल कुमार उर्फ वीजन के माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। माता-पिता के निधन के बाद घर में केवल दो भाई ही थे। विपुल गांव में रहकर कांटी रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में मजदूरी करता था। उसका दूसरा भाई झारखंड के जमशेदपुर में मजदूरी करता है। दोनों भाई मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। चर्चा है कि आपसी रंजिश में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। कुछ लोग हादसे की भी आशंका जता रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच कर रही है। रेल थाना पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पंचनामा तैयार करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में महिला मजदूर की करंट लगने से मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र के मारकन गांव में रविवार सुबह करंट लगने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मृतका की पहचान मारकन गांव निवासी रामकरण राम की पत्नी मछिया देवी के रूप में हुई है। मछिया देवी एक गरीब परिवार से थीं और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी करती थीं।व ह पिछले कई साल से गांव के ही रहने वाले अमल सिंह के घर पर गायों की देखरेख और उन्हें चारा खिलाने का काम करती थीं। रविवार सुबह भी वह हमेशा की तरह काम पर गई थीं। मवेशियों को चारा खिलाने के बाद, जब वह पानी भरने के लिए बिजली के मोटर के पास पहुंचीं, तभी वह करंट की चपेट में आ गईं। मोटर में पहले से ही बिजली का करंट उतर आया था (लीकेज था), जिससे लोहे के पाइप या पानी में करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट का झटका इतना जोरदार था कि मछिया देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर आसपास के भारी संख्या में ग्रामीण और मृतका के परिजन वहां इकट्ठा हो गए। आनन-फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई गई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने स्थानीय प्रशासन और सरकार से मुआवजे की पुरजोर मांग की है। मृतका के परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है।

पालीगंज में तेज रफ्तार ट्रक ने अधेड़ को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। महबलीपुर मोड़ के पास बालू लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय लिली चौधरी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय श्रीलखन चौधरी के पुत्र बताए गए हैं।

हादसे के बाद ग्रामीणों का हंगामा, सड़क जामः जानकारी के मुताबिक, लिली चौधरी महबलीपुर बाजार आए थे और पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय अरवल की ओर से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने महबलीपुर मोड़ के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर तक इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, ट्रक जब्तः सूचना मिलने पर पालीगंज थाना की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। थानाप्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, ग्रामीणों से सड़क हादसे में मौत की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही। ट्रक को जब्त किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।'

❐ सड़क पार करने के दौरान चपेट में आए, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

मजदूर की तड़पकर संदिग्ध मौत काम करते-करते अचानक गिरा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मजदूर काम करते हुए अचानक गिरता दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान मनोहर ठाकुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मनोहर ठाकुर बंधन बैंक की गली स्थित एक घर के बाहर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे जमीन पर गिर पड़े।

सामने आए फुटेज में दिख रहा है कि मनोहर ठाकुर गिरने के बाद कुछ देर तक वहीं पड़े रहे। इस दौरान आसपास से लोग गुजरते दिखाई दिए, लेकिन परिजनों का आरोप है कि किसी ने उन्हें तत्काल मदद नहीं पहुंचाई। कुछ देर बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने उस घर के मालिक पप्पू कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जहां मनोहर ठाकुर काम कर रहे थे। मृतक के भतीजे अमित कुमार ने बताया, 'बड़े पापा काम करने के लिए वहां गए थे। शाम को अचानक मौत की सूचना मिली।' उनका कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई, तब तक घर के मालिक पप्पू कुमार और अन्य लोग वहां से जा चुके थे। परिवार ने मौत के पीछे साजिश की आशंका जताई है। मामले में दुल्हिनबाजार थाना के थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि घटना से जुड़ा CCTV फुटेज सामने आया है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। थाना प्रभारी विकास कुमार ने कहा, 'परिजनों ने घर मालिक पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया है, लेकिन फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।'

पटना साहिब गुरुद्वारा पहुंचे सद्गुरु जग्गी वासुदेव, सिरोपा व तलवार से हुआ सम्मान

एजेंसी, पटना

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु (जग्गी वासुदेव) रविवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। सिख परंपरा के अनुसार, उन्हें सिरोपा और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा पहुंचने के बाद सद्गुरु ने मत्था टेका और अरदास की। उन्होंने देश, समाज और मानवता की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

पटना साहिब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का केंद्र- सद्गुरुः इस अवसर पर सद्गुरु ने पटना साहिब गुरुद्वारे को केवल सिख समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए आस्था और प्रेरणा का महान केंद्र बताया। उन्होंने कहा, 'यह दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की जन्मभूमि है, जिनके साहस, त्याग और आध्यात्मिकता का संदेश आज भी दुनिया को प्रेरित करता है।' सद्गुरु ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन को धर्म, सत्य, साहस और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसे पवित्र स्थलों का दर्शन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को समझने का अवसर है।'

सद्गुरु ने समाज में शांति, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए संतों और गुरुओं की शिक्षाओं को अपनाने का आह्वान किया। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सद्गुरु के आगमन को ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा, टविभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतिनिधियों का पटना साहिब आना आपसी सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।'

खान सर ने अवैध हथियार से चलवाई थी गोली, आर्म्स वेरिफिकेशन में खुलासा, एक बॉडीगार्ड के पास परमिट नहीं

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। इस दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उतर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है।

थाने को नहीं दी सूचना, वेरिफिकेशन भी नहीं कराया: पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना आवश्यक अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है।

खान ने भी हथियार का वेरिफिकेशन नहीं कराया: खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। अपने साथ अवैध हथियार लेकर घूमते रहे और कथित तौर पर दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग भी करवा दी, जबकि उन्हें एक रिस्पॉन्सिबल व्यक्ति होने के चलते कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए था।

दूसरे बॉडीगार्ड के हथियार पर भी जांच: इसी तरीके से दूसरे बॉडीगार्ड प्रदीप कुमार का हथियार मैनपुरी यूपी का है। इस हथियार के

दूसरे के पास सेल्फ डिफेंस का लाइसेंस

वेरिफिकेशन के दौरान पता चला है कि ऑल ओवर इंडिया परमिट तो है, लेकिन ये प्रदीप के पिता की हत्या के बाद सेल्फ डिफेंस के लिए प्रोवाइड किया गया था, जिसका गलत इस्तेमाल इसने सिक्योरिटी एजेंसी के साथ मिलकर निजी फायदे के लिए किया। यह आर्म्स लाइसेंस के मानकों के अनुरूप नहीं है।

अपडेट केस डायरी से बढ़ेंगी खान सर की मुश्किलें : पुलिस ने इन तमाम बिंदुओं का जिक्र अपनी अपडेटेड केस डायरी में भी किया है। फैजल खान मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर 30 जून को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई होनी है। इधर, 13 जुलाई को खान सर के द्वारा FIR क्वेशिंग के लिए पटना हाईकोर्ट में फाइल की गई याचिका पर भी सुनवाई होगी। कोर्ट ने इस मामले में वरीय अधिकारियों को तलब किया है। हालांकि, इन तथ्यों के सामने आने के बाद फैजल खान की मुश्किलें बढ़ सकती है। पटना हाई कोर्ट में भी मुश्किलें बढ़ सकती है। लोक अभियोजक लगातार फैजल खान उर्फ खान सर और उनके दोनों गार्ड्स की जमानत खारिज करने के लिए बहस कर रहे हैं। बेल का विरोध कर रहे हैं।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, 5 दिनों तक चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान, 4000 टीमें गठित

एजेंसी, पटना

पटना में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का रविवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) से हुई। पटना के सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने नवजात और पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने सभी बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण पहुंचाना जरूरी है।

जिले में 4 हजार टीमों की तैनातीः डॉ. मंडल ने बताया कि इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे पटना जिले में करीब 4,000 टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाने के साथ-साथ घर-घर जाकर भी उन बच्चों तक पहुंचेंगी, जो किसी कारण से बूथ तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने जोर दिया कि अभियान के दौरान एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए।

5 दिनों तक चलेगा अभियानः सिविल सर्जन के अनुसार, पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण ही है। यह अभियान पांच दिनों तक चलेगा, जिसमें जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी।

आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान विवाद पर विभाग का जवाबः अभियान के दौरान बाढ़ अनुमंडल में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बकाया मानदेय को लेकर सहयोग नहीं करने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने कहा कि विभाग ने मामले की जानकारी मिलते ही कार्रवाई की गई। डॉ. मंडल ने भरोसा दिलाया कि इसका अभियान पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

❐ फुलवारी शरीफ सीएचसी से शुभारंभ

अभिभावकों से की अपीलः सिविल सर्जन ने कहा, 'स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी कर्मियों को समय पर उनका भुगतान मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्बाध रूप से संचालित होते रहें।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे जिले में पल्स पोलियो अभियान पूरी गंभीरता और प्रभावी तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा अवश्य पिलाएं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचेंगी।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा जूते-चप्पल उतरवा कर चेकिंग

एजेंसी, पटना

केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) की ओर से आज बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा पूरे राज्य में हो रही है। एग्जाम के लिए एंट्री 11 बजे बंद हो गई है। परीक्षा सेंटर में कड़ी सुरक्षा के बीच छात्रों को एंट्री दी गई। मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। जूते-चप्पल खुलवाकर चेकिंग हुई।

लिखित परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक चलेगी। इस भर्ती परीक्षा के तहत 993 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। परीक्षा के लिए करीब 2.25 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक पद के लिए औसतन लगभग 227 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा।

परीक्षा को कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। परीक्षा एक ही पाली में आयोजित हुई।

अभ्यर्थियों की एग्जाम सेंटर्स में एंट्री सुबह 10:00 बजे से शुरू हुई, जबकि 11:00 बजे परीक्षा केंद्र का गेट बंद कर दिया गया। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। इधर, एग्जाम खत्म होने के बाद आरा स्टेशन पर अभ्यर्थियों की भीड़ दिखी।

❐ एग्जाम के लिए चलाई गईं 7 स्पेशल ट्रेन 993 पदों के लिए 2.25 लाख अभ्यर्थी शामिल

6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, नेपाल में बारिश से किशनगंज में बाढ़ जैसे हालात

एजेंसी, पटना

बिहार में भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश में मानसून एकबार फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच रविवार सुबह खगड़िया, जमुई और नालंदा में बारिश हुई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। पटना में सुबह-सुबह बादल छाए रहे। बगहा में तेज हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 60Kmph की रफ्तार से हवा चलेगी। सीमांचल के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

अररिया, किशनगंज, सुपौल, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा और सहरसा में भारी बारिश और तेज हवा चल सकती है। पटना, नालंदा, जहानाबाद समेत कई जिलों में बारिश होगी। इधर नेपाल में हो रही लगातार बारिश के चलते किशनगंज जिले की कई नदियां उफान पर हैं। जिले के दिघलबैंक प्रखंड की करूआमनी पंचायत में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इससे 8 परिवारों के करीब 80 लोग प्रभावित हुए हैं। शनिवार को भीषण गर्मी के बीच बिहार के 6 जिलों का मौसम बदला। खगड़िया, बेगूसराय, बांका में तेज बारिश हुई। वहीं, नालंदा, मुजफ्फरपुर, बेतिया, मधुबनी में भी बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली। इन शहरों में पहले बादल छाए, तेज हवा चली, फिर बारिश शुरू हो गई।

कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम बोले - 'निशांत अपना नाम अच्छे से करें, हॉस्पिटल की व्यवस्था सुधारें'

एजेंसी, पटना

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा PMCH के प्रिंसिपल को हटाए जाने पर बिहार कांग्रेस की प्रतिक्रिया सामने आई है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'वह अपना नाम अच्छे से करें, हॉस्पिटल की व्यवस्था सुधारें। अगर काम के लिए उन्हें कोई दायित्व मिला है, तो यह उनकी रिस्पांसिबिलिटी है। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रखंड अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने किया।

350 प्रखंड अध्यक्षों का डिजिटली चयन हुआः राजेश राम ने कहा, 'यह प्रशिक्षण शिविर संगठन को बूथ से लेकर प्रखंड स्तर तक और अधिक सशक्त, सक्रिय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कांग्रेस की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प को लेकर हम सभी कार्यकर्ता पूरी

◆ सदाकत आश्रम में प्रखंड अध्यक्षों का प्रशिक्षण शुरू

प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगे बताया, 'बिहार में हम लोगों ने प्रखंड अध्यक्षों का चयन सृजन साथी अभियान के माध्यम से किया है। करीब 350 प्रखंड अध्यक्षों का डिजिटली चयन हुआ है।'

राहुल गांधी का तीसरा दौरा बिहार में होगा- राजेश रामः राहुल गांधी के पटना आने को लेकर राजेश राम ने कहा, 'कोटा के बाद तीसरा दौरा बिहार में है। बिहार में छात्रों की गूंज को आवाज देने के लिए राहुल गांधी यहां आ रहे हैं। उनके यहां आने को लेकर अलग-अलग तरीके से तैयारी चल रही है।'

अभियान को सफल बनाने हर एंगल पर काम करेंगे- राजेश रामः उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने सभी को लेटर लिखकर यह अपील की है कि इस अभियान को कैसे सफल किया जाए और कैसे समर्थन लिया जाए, इसके हर एंगल पर काम करना है। अभी जो स्थिति चल रही है ऐसे में सभी से अपील करना बहुत जरूरी है। मैं राहुल जी का बहुत ही आभार प्रकट करता हूं कि जिस तरह से उन्होंने एक साल में बिहार को समय दिया, आज भी वह यहां समय देकर अपना योगदान दे रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कोल्ड स्टोर में लगी भीषण आग, आसमानी धुआं उठता देख लगी लोगों की भीड़; दमकल टीम बुझाने में जुटी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में रविवार को चिनहट थाना क्षेत्र के हिमालय कोल्ड स्टोर में भीषण आग लग गई। सुबह करीब 6.00 बजे आग लगी। आसमानी धुआं उठता देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना दमकल और पुलिस को दी गई। घटना के बाद सुरक्षा को देखते हुए आसपास की कोल्ड स्टोरेज कॉलोनी, दयाल रेजिडेंसी के मकानों को खाली करा लिया गया। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने करीब पांच घंटे से आग बुझाने की मशक्कत कर रही है। अभी तक किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

परछाईं बनने का इनाम, साथ ही साइडलाइन रहने का साइड इफेक्ट और मुख्यालय का दबदबा खत्म के किस्से

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के राजनीतिक गलियारे और प्रशासनिक गलियों में आज तीन किस्से काफी चर्चा में रहे। चाहे-अनचाहे आखिर ये बाहर आ ही जाते हैं। इन्हें रोकने की हर कोशिश नाकाम होती है। आज की कड़ी में परछाईं बनने का इनाम की कहानी। इसके अलावा साइडलाइन रहने का साइड इफेक्ट और मुख्यालय का दबदबा खत्म के किस्से भी चर्चा में रहे।

परछाईं बनने का इनाम : भगवा दल की नई टीम में एक बार फिर चहेतों की चांदी रही। लेकिन सबसे अधिक चर्चा उस पदाधिकारी की दोबारा ताजपोशी की हो रही है, जो मुखिया की परछाई बन कर घूम रहे थे। ताज्जुब तो यह है कि निर्णायक मंडल के जो जिम्मेदार इस पदाधिकारी की कार्यशैली और छवि को लेकर सवाल उठा रहे थे, उनकी ही सिफारिश पर इन्हें दोबारा वही पद सौंपा गया है, जिसपर ये पिछली टीम में भी काबिज थे। ऐसे में चर्चा यही है कि परछाईं बनने का ही इनाम दिया गया है।

साइडलाइन रहने का साइड इफेक्ट : लंबे समय से साइड लाइन पड़े एक साहब का धैर्य अब जवाब देने लगा है। लिहाजा वो बात-बात में अपना आपा खो दे रहे हैं। सूबे में सहकार को मजबूत करने वाले महकमे में तैनात साहब के इस व्यवहार से मातहत भी परेशान हैं। दरअसल 2017 से सत्ता परिवर्तन के बाद साहब को कुछ समय के लिए कलेक्टरी मिली तो वे आसमान छूने लगे। उनकी ख्याति ऐसी फैली कि उन्हें तत्काल शासन में बिठा दिया गया। तब से उन्होंने खूब प्रयास किए लेकिन किसी ने नहीं सुनी। ऐसे में साहब अब अपनी पूरी खीझ मातहतों पर ही उतारते हैं।

मुख्यालय का दबदबा खत्म : सियासत में उतरे डॉक्टरों को इस बार चौकाने वाले नतीजे मिले हैं। लंबे समय तक रहा मुख्यालय का दबदबा खत्म हो गया है। चुनाव परिणाम के बाद चर्चा ए आम है कि असली इम्तिहान तो अब शुरू हुआ है। देखना यह होगा कि मैदान वाले अपने हक की लड़ाई में कामयाब होते हैं अथवा फेल हो जाते हैं। मुख्यालय के बंद कमरे में गुणा गणित फेल होने का असर संगठन की सियासत पर पड़ता है अथवा नहीं। मुख्यालय में चर्चा सरेआम रही कि सेवानिवृत्ति से पहले ही मुख्यालय वाले पटखनी खा गए हैं।

गैस सिलिंडर लेने पहुंचे बुजुर्ग की मौत, एजेंसी पर लापरवाही का आरोप

गोरखपुर , एजेंसी। गैस सिलिंडर लेने के लिए वितरण स्थल पर पहुंचे एक बुजुर्ग की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना बृहस्पतिवार को बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर के समीप आयोजित गैस वितरण स्थल की है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने गैस वितरण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए एजेंसी संचालक पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। गोला रोड, कौड़ीराम निवासी श्याम नारायण पाठक (65) गैस सिलिंडर लेने के लिए वितरण केंद्र पहुंचे थे। बताया गया कि उन्हें तेज धूप में काफी देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। सिलिंडर मिलने के बाद जैसे ही वह वहां से बाहर निकले, अचानक चक्कर आने से जमीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया लेकिन उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने गैस वितरण की मौजूदा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार की ओर से होम डिलीवरी की व्यवस्था लागू किए जाने के बावजूद लोगों को सिलिंडर लेने के लिए घंटों धूप में खड़ा होना पड़ रहा है। इससे बुजुर्गों और अन्य उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष भवनाथ राय ने आरोप लगाया कि गैस एजेंसी संचालक की मनमानी के कारण यह स्थिति बनी। उन्होंने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने और संबंधित एजेंसी की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

किसी की 50 तो किसी की 100 गुना बढ़ी हैसियत

एसआईटी जांच में चढ़ावा गबन के पुख्ता सबूत

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने आरोपियों की संपत्तियों समेत अन्य रहन-सहन संबंधी ब्योरा जुटाया है। मंदिर की नौकरी लगने के बाद कईयों की हैसियत 50 से लेकर 100 गुना तक बढ़ी पाई गई। इसी को एसआईटी ने आधार बनाकर तफ्तीश आगे बढ़ाई है। आरोपियों के अलावा ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों की भी संपत्तियां अचानक बढ़ी हैं। ये सभी जांच के दायरे में आ गए हैं।

अब तक पुलिस ने जो कार्रवाई की है, वह एसआईटी की रिपोर्ट पर ही की है। वहीं, एसआईटी ने जो रिपोर्ट तैयार की, उसमें सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को शामिल किया है, जिससे आरोपियों की पहचान की गई है। वहीं, एसआईटी ने सभी आरोपियों की संपत्तियों की भी डिटेल जुटाई है, जिसमें टिन्नू, अनुकल्प, लवकुश और सुभाष की हैसियत से अधिक संपत्ति मिली। वहीं, उनकी लाइफस्टाइल में भी पूरी तरह बदलाव आया। जिसके पुख्ता सुबूत मिले हैं। टिन्नू व कुछ ट्रस्ट के पदाधिकारियों की संपत्ति 100 गुना तक बढ़ी। किसी ने जमीन, प्लॉट आदि खरीदे तो किसी ने हॉस्टल आदि का निर्माण कराया। खासकर ये संपत्तियां मंदिर से जुड़ने के बाद बनाई गईं। इससे स्पष्ट है कि गबन में उनकी बड़ी भूमिका रही। मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। मंदिर प्रबंधन ने जिन कर्मचारियों को नौकरी पर रखा, उनका पुलिस सत्यापन तक नहीं कराया जाता था। ये सीधे तौर पर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने अपनी जांच में इस तथ्य को गंभीरता से शामिल किया है। इसमें सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बेहद अहम है। यह देश के सबसे संवेदनशील धार्मिक स्थलों में से एक है। यही वजह है कि कई स्तर की सुरक्षा व्यवस्था है। जब एसआईटी ने जांच की तो पता चला कि जिन कर्मचारियों की नियुक्ति मंदिर प्रबंधन ने की, उनका किसी तरह का पुलिस सत्यापन नहीं कराया गया। यह बहुत बड़ी लापरवाही उजागर हुई। उसके पीछे की वजह यही रही कि अधिकतर कर्मियों की भर्ती ट्रस्ट के पदाधिकारियों व उनके करीबियों के माध्यम से होती थी। ये सभी लोग उनकी सिफारिश पर भर्ती होते गए। इसलिए न कोई जांच-पड़ताल हुई। बस भर्ती हुई और सैलरी मिलने लगी।

रकम बंटवारे पर आपसी विवाद से खुल गया खेल : एसआईटी की अब तक की जांच में यही सामने आया है कि आरोपियों में आपस में ही रकम के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ, जो बढ़ गया। किसी

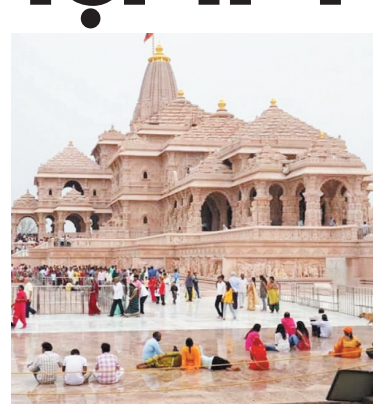

ने शिकायत की तो मामला उजागर हो गया। चूंकि मामला मंदिर से जुड़ा था, इसलिए ट्रस्ट के पदाधिकारी इसे दबाने में जुट गए।

सैलरी 18-20 हजार खर्च किए लाखों रुपये : कुछ महीने पहले अनुकल्प मिश्र ने गांव में कथा का आयोजन किया था। एसआईटी ने जांच में जो तथ्य जुटाए, उसके मुताबिक कथा में आठ से दस लाख रुपये खर्च किए गए। 500 महिलाओं को साड़ियां बांटी गईं, जबकि उसकी सैलरी 18-20 हजार रुपये थी। इतनी सैलरी में इतना बड़ा आयोजन सवाल खड़ा करता है। यह सब आयोजन गबन की राशि से किया गया।

करीब 800 कर्मी : राम मंदिर परिसर में करीब 800 ऐसे कर्मचारी हैं, जिनकी भर्ती मंदिर प्रबंधन ने की है। इसमें 200 कर्मी ट्रस्ट ने खुद अपने स्तर पर नौकरी पर रखे हैं। इन का पुलिस सत्यापन तक नहीं कराया गया। अमूमन किसी भी नौकरी में आवेदन के लिए पुलिस सत्यापन कराया जाता है, जिससे उसके बारे में जानकारी मिल सके। लेकिन यहां ऐसा नहीं किया गया। उसकी वजह ट्रस्ट के पदाधिकारियों की हनक थी। जो वे चाहते थे, वैसा होता था। कोई सवाल खड़ा करने वाला तक नहीं था।

चंपत-अनिल को क्लीन चिट नहीं.... जांच जारी : ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा के अलावा निर्माण समिति के सहायक गोपाल राव को एसआईटी ने क्लीन चिट नहीं दी है। एसआईटी की विस्तृत जांच में इन सभी की भूमिका की जांच जारी है। प्राथमिक रिपोर्ट में इसका जिक्र भी है। विस्तृत जांच रिपोर्ट में इन पदाधिकारियों के बारे में स्पष्ट किया जाएगा कि इनकी भूमिका है या नहीं, या फिर ये लापरवाही के दोषी हैं।

बड़े पैमाने पर बदलाव होगा : मंदिर के भीतर हुई चोरी ने देशभर में सनसनी फैला दी है। संवेदनशील स्थान पर इतनी बड़ी घटना का होना सुरक्षा में बड़ी चूक है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में सुरक्षा की खामियों का जिक्र किया है। साथ ही अहम बदलाव की सिफारिश की है। सुरक्षा में लगे अधिकारियों से लेकर तमाम कर्मचारी बदले जाएंगे और निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई और कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए एसओपी तैयार की जा रही है।

गोपाल का न इस्तीफा, न कार्रवाई : मंदिर प्रबंधन से जुड़ा प्रत्येक कार्य चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव देखते थे। मंदिर निर्माण, दान राशि जैसे अहम कार्य में पूरा दखल इन्हीं का रहता था। इनकी नाक के नीचे इतना बड़ा हेरफेर हुआ और करोड़ों रुपये पार हो गए, इन्हें भनक तक नहीं, यह यकीन करना मुश्किल है। इसलिए तीनों सबसे अधिक सवालों से घिरे हैं। अब तक गोपाल ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, न ही कोई कार्रवाई की गई है।

चांदी की ईंटें व आभूषण सुरक्षित, हिसाब भी मौजूद : एक सिंधी संगठन ने चांदी की दो सौ ईंटें, विश्वकर्मा परिवार ने चरण पादुका व हार दान करने की बात कहते हुए बताया था कि उनको रसीद नहीं दी गई। अंदेशा जताया था कि ये सभी चीजें गायब कर दी गईं। कई और मामले भी सामने आए थे। इस पर भी ट्रस्ट ने दावा किया है कि चांदी की ईंटें व अन्य आभूषण हिसाब के साथ सुरक्षित हैं।

अलग-अलग स्थान पर पुलिस की मुठभेड़

50 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर को पैर में लगी गोली, दबोचा

लखनऊ , एजेंसी। बहराइच जिले के रामगांव इलाके में बुधवार रात को हुई मुठभेड़ में भागे दोनों बदमाशों को शनिवार देर रात कैसरगंज में अलग-अलग स्थान पर पुलिस ने घेराबंदी कर मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। पकड़ा गया एक आरोपी बौंडी थाने का 50 हजार रुपये का इनामी है, दोनों हिस्ट्रीशीटर भी है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों के बांए पैर में गोली लगी है। इससे पहले 25 जून की रात बौंडी इलाके में हुई मुठभेड़ में बदमाश असलम हॉफ एनकाउंटर में पकड़ा गया था, जबकि उसके दो साथी भाग गए थे।

पुलिस के मुताबिक शनिवार रात क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम और रामगांव पुलिस को सूचना मिली कि बौंडी मुठभेड़ से भागे दोनों बदमाश चोरी का माल और अवैध असलहे के साथ भकला गोपालपुर गांव की ओर आ रहे हैं। इस पर रामगांव पुलिस टीम ने अकिलापुर चौराहे के पास घेराबंदी की। पुलिस की घेराबंदी देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जवाबी कार्रवाई में थाना बौंडी के मुड़कटी गांव निवासी फिरोज के बाएं पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया, जबकि उसका साथी मुल्कराज अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक लेकर मौके से भाग निकला। फिरोज के पास से तलाशी के दौरान 2040 रुपये

नकद, चोरी के सोने के जेवर, दो मोबाइल , 01 देसी तमंचा व कारतूस बरामद हुआ।

मौके से भागे मुल्कराज की तलाश में कैसरगंज थाने की पुलिस और स्वाट टीम ने लखनऊ बहराइच मार्ग पर रुकनापुर तिराहे के करसर बेटोरा के निकट जाल बिछाया, इस दौरान संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया तो उसने भी पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में बौडी के ग्राम रायपुर भैंसवा गांव निवासी मुल्क राज के भी पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डीपी तिवारी भी मौके पर पहुंचे।पुलिस ने मुल्कराज के कब्जे से 2,400 रुपये नकद, एक 315 बोर का तमंचा, दो कारतूस और एक खोखा तथा चांदी के जेवरात बरामद किया है।

पंचायत चुनाव को लेकर राज्य सरकार का बड़ा फैसला

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ करेगी अपील

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानों को प्रशासक नहीं बनाए जाने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार अपील करेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने 25 जून के अपने आदेश में कहा है कि असांविधानिक हो चुके नियमों के तहत ग्राम प्रधान प्रशासक की भूमिका नहीं निभा सकते हैं। सरकार को 13 जुलाई तक चुनाव की रूपरेखा पेश करने का भी आदेश दिया है।

कोर्ट ने आदेश में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 243 (ई) और 243 (के) के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता। वहीं, शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि उप्र पंचायतीराज अधिनियम 1947 की धारा 12 की उपधारा (3-ए) मुख्य रूप से ग्राम पंचायत के कार्यकाल और चुनाव टलने की असाधारण परिस्थितियों से संबंधित है।

इस धारा के अनुसार, यदि अपरिहार्य परिस्थितियों या लोकहित में ग्राम पंचायत का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव

करा पाना संभव न हो तो राज्य सरकार या उसके द्वारा अधिकृत अधिकारी को यह शक्ति होगी कि वह उस अवधि के लिए ग्राम पंचायतों के कार्यों के संचालन के लिए वैकल्पिक प्रशासनिक व्यवस्था (जैसे प्रशासक या प्रशासनिक समिति की नियुक्ति) कर सके। इस उपधारा के रूप में यह ऐतिहासिक संशोधन प्रदेश में अप्रैल 1994 में लागू हुआ।

हाईकोर्ट ने बाद में प्रेम लाल पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के केस में व्यवस्था दी है कि इस धारा 12 (3-ए) का उपयोग करके चुनावों को अनिश्चितकाल के लिए टालना या ग्राम प्रधानों या प्रशासकों का कार्यकाल मनमाने ढंग से बढ़ाना असांविधानिक है।

चुनाव कराना राज्य निर्वाचन आयोग का सांविधानिक अधिकार है जिसमें राज्य सरकार प्रशासनिक बहाने बनाकर देरी नहीं कर सकती। जानकारों का कहना है कि उप्र पंचायतीराज अधिनियम, 1947 की धारा 12 में जोड़ी गई उपधारा (3-ए) को अब तक हटाया नहीं गया है इसलिए इस कानून का अभी आधार बना हुआ है।

इसी को आधार बनाते हुए राज्य सरकार एकल पीठ के खिलाफ अगले सप्ताह डबल बेंच या फुल बेंच में सुनवाई के लिए अपील दायर करेगी। अपील दायर करने के निर्णय की पुष्टि उप्र राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस राम औतार सिंह ने भी की है।

आयोग को पक्षकार बनाने के आदेश को भी दी जाएगी चुनौती

कोर्ट ने मामले में याची को समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग को भी पक्षकार बनाने की अनुमति दी है।

प्रदेश भाजपा की नई टीम सवालों के दायरे में, नई टीम में जो लोग चुने गए वह गैरप्रभावी, सिफारिश रही हावी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश भाजपा संगठन ने नई टीम के बल पर भले ही मिशन 2027 फतह करने की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन टीम में शामिल कई नामों पर पार्टी के अंदरखाने सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सियासी गलियारों में भी यह भी चर्चा शुरू हो गई है कि जब बड़े नेताओं की गणेश परिक्रमा करने वाले चहेतों और सिफारिश के आधार पर ही नाम शामिल होने थे तो टीम चयन के लिए मानक का ढिंढोरा क्यों पीटा गया?

सबसे अधिक चर्चा टीम में शामिल विधान परिषद सदस्यों को लेकर है। कहा जा रहा है कि जब तय हुआ था कि इस बार टीम गठन में उन सभी पदाधिकारियों को हटाया जाएगा जो सांसद, विधायक और एमएलसी बन गए हैं तो फिर चार विधान परिषद सदस्यों सत्यपाल सैनी, मोहित बेनीवाल, डॉ. धर्मेंद्र सिंह और विजय शिवहरे को किस मानक पर टीम में शामिल किया गया है? सवाल यह भी उठ रहा है कि इन चार माननीयों को किसकी सिफारिश पर संगठन में दोबारा मौका दिया गया?

दरअसल, भाजपा प्रदेश संगठन की नई टीम तैयार करने में कई मानक गढ़ने का खूब प्रचार किया गया था। इसी मानक के तहत नाम चयन पर

तीन-चार महीने लखनऊ से दिल्ली तक कई बार बैठक भी हुई। तय हुआ था जो पदाधिकारी सांसद, विधायक बन गए हैं उनको संगठन से मुक्त कर अन्य जिम्मेदारी दी जाएगी। इस मानक का कुछ हद तक तो पालन हुआ, लेकिन चहेते और सिफारिशी एमएलसी को दोबारा संगठन में पद देने के दोहरे मानक से सवाल उठने लगे हैं। सियासी विश्लेषकों का कहना है कि नई टीम में न मानक की झलक दिख रही है और न ही कोई ऐसा चेहरा है जो चुनाव में अपना प्रभाव दिखा सके।

बुंदेलखंड से कोई ब्राह्मण चेहरा नहीं : मुख्य टीम के अलावा मोर्चों में हुई नियुक्तियां भी सवालों के घेरे में हैं। खासतौर पर युवा मोर्चे की टीम के चेहरे पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि चुनावी साल में भाजपा काडर के पुराने राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले प्रांशु दत्त द्विवेदी को हटाकर एक अनुभवहीन व्यक्ति को युवा मोर्चा की कमान सौंपना भी समझ से परे है। देखा जाए तो प्रांशु को हटाने से नई टीम में कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र से कोई प्रभावशाली ब्राह्मण चेहरा नहीं रह गया है।

भूपेंद्र की टीम में 15 माननीयों को मिला था पद : भूपेंद्र चौधरी की मुख्य टीम में एक राज्यसभा सांसद को मिलाकर कुल 15 विधायक व एमएलसी को उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री बनाया गया था। नई टीम में इनमें से राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्या के अलावा विधायक पंकज सिंह, एमएलसी विजय बहादुर पाठक, संतोष सिंह, सलिल विश्नोई, मानवेंद्र सिंह, पद्मसेन चौधरी, गोविंद नारायण शुक्ला, अनूप गुप्ता, सुभाष यदुवंश और सुरेश पासी को तो संगठन से मुक्त कर दिया। पर, सत्यपाल सैनी, मोहित बेनीवाल, डॉ. धर्मेंद्र सिंह और विजय शिवहरे को दोबारा टीम में स्थान दिया गया है।

कर्मचारियों से वसूली कर नुकसान की भरपाई कर रहीं डीएल एजेंसियां, हर महीने करीब 30 लाख का हो रहा लॉस

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाली एजेंसियों को प्रतिमाह करीब 30 लाख रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्हें प्रति कार्ड 45 रुपये दिए जा रहे हैं, जबकि प्रिंटिंग व डिलीवरी आदि में खर्च करीब 60 रुपये का आ रहा है। पिछले सात महीने में एजेंसियों ने 2.10 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया है।

सूत्र बताते हैं कि प्राइवेटकर्मियों से नियुक्ति व सैलरी के नाम पर वसूली के लिए डीएल एजेंसियां नुकसान को भी उठाने के लिए तैयार हैं। सिल्वर टच, रोजमार्टा, फोकाम, इन तीन एजेंसियों को प्रदेशभर में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने, प्रिंट करने व आवेदकों के घरों तक डिलीवर करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक एजेंसी 70 हजार के आसपास डीएल बनाती है।

खास बात यह है कि एजेंसियों को प्रत्येक कार्ड पर 15 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। नुकसान की भरपाई के लिए प्राइवेटकर्मियों की नियुक्ति पर तीन से चार लाख रुपये वसूले गए। उनसे सैलरी का पैसा भी एडवांस में लिया जा रहा है। पीड़ित प्राइवेटकर्मियों ने उम्मीद जताई है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप से डीएल एजेंसियों का भ्रष्टाचार उजागर होगा।ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए न्यूनतम पर टेंडर किया गया था। 45 रुपये प्रति कार्ड मिल रहा है। हालांकि खर्च अधिक हो रहा है।

भीषण गर्मी के बीच दो दिन से बिजली गुल, आक्रोशित लोगों ने सड़क पर लगाया जाम

बरेली, एजेंसी। बरेली के किला उपकेंद्र से पोषित शास्त्रीनगर की गायत्री पब्लिक स्टोर वाली गली में दो दिनों से बिजली गुल है। इससे आक्रोशित लोगों ने शनिवार सुबह पार्षद गौरव सक्सेना के साथ सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देररात तक एसडीओ की मौजूदगी में ट्रांसफार्मर का फ्यूज ठीक कराया जाता रहा, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इलाके की पांच हजार आबादी भीषण गर्मी से जूझती रही।

शास्त्रीनगर में अनिल किराना स्टोर के पास लगे ट्रांसफार्मर का फ्यूज शुक्रवार दोपहर 12 बजे खराब हो गया। शिकायत के बावजूद कोई लाइनमैन मरम्मत के लिए नहीं पहुंचा। इससे लोग परेशान रहे। पानी का संकट भी हो गया।

शनिवार सुबह आठ बजे करीब 60 लोग गायत्री पब्लिक स्टोर वाले मोड़ पर धरने पर बैठ गए। इससे आवागमन बाधित होने लगा। सूचना पर पहुंची प्रेमनगर पुलिस ने समझाने का प्रयास किया पर बात नहीं बनी। इसके बाद एसडीओ विशाल वर्मा टीम के साथ पहुंचे और लोगों को आश्वासन दिया। तमाम कोशिशों के बावजूद देर रात तक समस्या को ठीक नहीं किया जा सका।

इन इलाकों में भी बिजली की समस्या

दुर्गानगर उपकेंद्र से पोषित सैनिक कॉलोनी में पूरी रात लोकल फॉल्ट के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे 200 घरों में बत्ती गुल रही। सुबह 10:30 बजे आपूर्ति बहाल हुई। हरूनगला की सनराइज कॉलोनी में दिनभर लोग ट्रिपिंग से परेशान रहे। डीडीपुरम उपकेंद्र के कृष्णकुंति कॉलोनी में एक खंभे में आग लग गई, जिसे अग्निशमन विभाग की फायर बुलेट द्वारा पानी डालकर बुझाया गया।

अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शहर में जिन जगहों पर समस्या है, उसको ठीक कराया जा रहा है। शास्त्रीनगर में एसडीओ अपनी टीम के साथ फॉल्ट को ठीक करा रहे हैं।

तपिश के बाद बादल और ठंडी हवा ने दी राहत

दो सप्ताह से भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को शनिवार शाम हल्की राहत मिली। दिनभर 41 डिग्री सेल्सियस तापमान और झुलसा देने वाली धूप के बाद शाम करीब चार बजे मौसम ने अचानक करवट ली। घने काले बादल छाने के साथ ठंडी हवा चलने लगी। शहर के कई हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

सुबह से ही तेज धूप और उमस ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया था। दोपहर में सड़कों और बाजारों में सन्नाटा सा दिखा। जरूरी काम होने पर ही लोग बाहर निकले। कूलर और पंखे भी बेअसर रहे। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 40.9 और न्यूनतम 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, शाम होते-होते तेज हवा के साथ बादलों ने राहत दी। कई इलाकों में हल्की फुहारें पड़ीं।

मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार ने बताया कि पश्चिमी हवा और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के कारण यह बदलाव हुआ है। अगले कुछ दिनों तक बादल छाने, तेज हवा चलने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान है। हालांकि, उमस पूरी तरह खत्म होने की संभावना नहीं है।

फिल्मी स्टाइल में प्रेमिका के घर पहुंचा प्रेमी, किशोरी को साथ ले जाता देख परिजनों ने किया ये हाल

बांदा , एजेंसी। प्रेम प्रसंग के चलते घर से गई किशोरी को उसके माता-पिता तलाश कर घर ले गए। इस बीच फिल्मी स्टाइल में प्रेमी किशोरी के घर पहुंचा और दोबारा किशोरी को साथ ले जाने लगा। यह देख परिवार के लोगों ने ग्रामीणों की मदद से प्रेमी को पकड़ कर पिटाई की। इसके बाद कोतवाली देहात के सुपुर्द कर दिया। किशोरी के पिता ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने कोतवाली देहात में तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन हमीरपुर जनपद में ब्याही है। इससे उसकी 17 वर्षीय बेटी का अपनी बुआ के घर आना-जाना था। उसी गांव के किशन सविता से उसकी बेटी का प्रेम प्रसंग होने पर किशन उसकी बेटी को 23 जून को भगा ले गया था। इस उन्होंने अपनी बेटी की खोजबीन की तो उनकी बेटी उन्हें मिल गई, वह उसे घर ले आया। इस बीच किशन भी 26 जून को उसके घर आ गया और उसकी बेटी को दोबारा अपने साथ भगा ले जाने लगा।घरवालों ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को पकड़ कर आरोपी को पीट दिया। इस पर उनके पिता ने दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया है। देहात कोतवाली प्रभारी संजीव चौबे ने बताया कि किशोरी को काउंसिलिंग के लिए वन स्टाप सेंटर भेजा जा रहा है। आरोपी की डॉक्टरी कराई गई है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के वित्त मंत्री का दावा : मध्यपूर्व तनाव कम होने के बाद ही घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने कहा है कि मध्यपूर्व में तनाव कम होने के बाद ही डीजल, पेट्रोल सहित ईंधन के दाम घटने की संभावना है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में रविवार को आर्थिक विधेयक 2083 पर सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मध्यपूर्व की स्थिति सामान्य होने की संभावना है, जिससे ईंधन की कीमतों में भी गिरावट आने की उम्मीद है। वित्त मंत्री वाग्ले ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पहले ही घट चुकी है। हालांकि, नेपाल में भारतीय आयल निगम के माध्यम से आयात होने वाले ईंधन की आपूर्ति प्रक्रिया में समय लगने के कारण फिलहाल कीमत घटाने की स्थिति नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा, "मध्यपूर्व में जो समस्या उत्पन्न हुई थी, उसके कारण ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ा। इस बोझ को कम करने के लिए वित्त मंत्री बनने के दो सप्ताह के भीतर डीजल, पेट्रोल और मिट्टीतेल के आयात पर लगने वाले भंसार शुल्क तथा डीजल और पेट्रोल पर लगने वाले पूर्वाधार विकास कर में 50 प्रतिशत की छूट दी।" उन्होंने आगे कहा कि अब मध्यपूर्व की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आ चुकी है। लेकिन कच्चे तेल से तैयार ईंधन बनकर भारतीय आयल निगम के जरिए नेपाल तक पहुंचने में कुछ समय लगेगा। वित्त मंत्री वाग्ले ने दावा किया कि पदभार संभालते ही उन्होंने ईंधन की कीमत घटाने के लिए आवश्यक पहल शुरू कर दी थी।

दक्षिण कोरिया और जापान एआई समेत रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग पर सहमत

सियोल। दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने रविवार को आपसी सहयोग मजबूत करने के लगातार प्रयासों को जारी रखने पर सहमति जताई। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भी शामिल है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप न्यूज ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि सियोल में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यु-बैक और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। दोनों देश बेहतर होते द्विपक्षीय संबंधों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं। बातचीत के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया, दक्षिण कोरिया की 'ब्लैक ईगल्स' और जापान की 'ब्लू इम्पल्स' के बीच आदान-प्रदान और सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति हुई। वे समुद्री आपातकालीन स्थितियों के लिए खोज और बचाव अभ्यास को और विकसित करने तथा एआई सहित एडवांस्ड साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमत हुए। दो दिनों की यात्रा पर सियोल पहुंचे कोइजुमी की रक्षा मंत्री के तौर पर यह पहली यात्रा थी। इससे पहले जनवरी में आन ने जापान जाकर अपने समकक्ष से बातचीत की थी। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण कोरिया और जापान रक्षा संबंधों में बनी सकारात्मक गति को आगे बढ़ाते हुए अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। वहीं, सीधे सैन्य आदान-प्रदान को कई दक्षिण कोरियाई लोग संवेदनशील मानते हैं क्योंकि 1910-45 के दौरान कोरिया पर जापान का औपनिवेशिक शासन रहा था। इस महीने की शुरुआत में, दोनों देशों ने 9 साल में पहली बार अपना संयुक्त समुद्री खोज और बचाव अभ्यास (सारेक्स) फिर से शुरू किया। यह अभ्यास 2018 में हुए उस विवाद को सुलझाने के बाद शुरू हुआ, जिसमें जापान के एक गश्ती विमान ने दक्षिण कोरियाई युद्धपोत के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरी थी। दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता को भी एक सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। जापान ने पिछले साल नवंबर में 'ब्लैक ईगल्स' को ईंधन भरने में मदद देने से इनकार कर दिया था। उसने तर्क दिया था कि विमानों में से एक ने दक्षिण कोरिया के सबसे पूर्वी द्वीप समूह 'दोकदो' के ऊपर नियमित अभ्यास में हिस्सा लिया था। जापान लंबे समय से इन द्वीपों पर अपना क्षेत्रीय दावा करता रहा है। दिसंबर में हुई बातचीत में मामले को सुलझाने पर सहमत होने के दो महीने बाद 'ब्लैक ईगल्स' ने जापान के एक एयरबेस पर ईंधन भरा। शनिवार को कोइजुमी और आन ने गैंगवोन प्रांत के एक एयरबेस पर 'ब्लैक ईगल्स' यूनिट का दौरा किया। रविवार की बातचीत में मंत्रियों ने कोरियाई प्रायद्वीप को पूरी तरह से परमाणु मुक्त करने और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत 25 हजार पौधों का रोपण, सीआर पाटिल ने किया शुभारंभ

सूरत। गुजरात के सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत रविवार को केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सीआर पाटिल ने 25 हजार पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सूरत महानगर पालिका के साउथ-ए जोन स्थित टी.पी.एस. नं. 54 (भेस्तान), एफ.पी. नं. 67 में विकसित किए जा रहे 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑक्सीजन पार्क' में केंद्रीय मंत्री पाटिल ने वृक्षारोपण कर अभियान की स्मृति पट्टिका का भी अनावरण किया। सुबह 8 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में नीम, पीपल, बोरसली, शहतूत, अमरूद, आंवला, सीताफल, सहजन सहित 40 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के 25,000 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही नागरिकों को 5,000 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अभियान में नेचर क्लब सूरत, ग्रीन आर्मी चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत वन फाउंडेशन सहित कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों और पुलिसकर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरत की महापौर मायाबेन मावाणी ने की। इस अवसर पर सूरत शहर भाजपा प्रमुख परेश पटेल, विधायक संगीता बहन पाटिल, मनुभाई पटेल, प्रवीणभाई घोघारी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजनभाई पटेल, उप महापौर सुधाकर चौधरी, सत्तापक्ष नेता अल्पाबेन मेहता, दंडक उर्मिलाबेन त्रिपाठी, नगरसेवक तथा मनपा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिरुमाला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी, भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में अर्पित किए केश

हैदराबाद। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने रविवार को आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परंपरा के अनुसार मुंडन कराकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के चरणों में अपने केश अर्पित किए। मंदिर पहुंचने पर अनंत अंबानी ने पहले मुंडन संस्कार संपन्न कराया और इसके बाद विधि-विधान से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के दौरान उन्होंने देश और समाज की सुख-समृद्धि तथा कल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि अंबानी परिवार भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी गहरी आस्था के लिए जाना जाता है। परिवार के सदस्य समय-समय पर तिरुमाला मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन करते रहे हैं। पिछले वर्ष अनंत अंबानी के विवाह से पूर्व और विवाह के बाद भी अंबानी परिवार ने तिरुमाला पहुंचकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए थे। तिरुमाला मंदिर देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। केश समर्पण (मुंडन) यहां की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है, जिसे श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और समर्पण के प्रतीक के रूप में निभाते हैं।

वीबी-जी राम जी योजना पर राज्यों की आपत्तियों का दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी योजना (वीबी-जी राम जी) को लेकर कई राज्यों द्वारा नई योजना पर गंभीर आपत्तियां जताए जाने का दावा किया है। पार्टी के अनुसार, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री के गृह राज्य की ओर से भी इस नई योजना को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से पर्याप्त परामर्श किए बिना ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी

अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित करा दिया।

जयराम रमेश ने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने नई व्यवस्था के तहत राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जताई है। कई राज्यों को आशंका है कि योजना के संचालन और वित्तपोषण में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ने से उनके बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि चार अन्य राज्य सरकारों ने खेती के चरम मौसम के दौरान प्रस्तावित

◆ कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

ब्लैकआउट अवधि का विरोध किया है। इस अवधि में रोजगार उपलब्ध न होने से ग्रामीण श्रमिकों और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है ताकि बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत के अनुरूप उन्हें पर्याप्त आय मिल सके।

उन्होंने कहा कि 01 जुलाई से मनरेगा के स्थान पर लागू की जा रही वीबी-जी राम जी योजना को लेकर राज्यों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी प्रदान करती थी, जबकि नई योजना से राज्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ने और निर्णय प्रक्रिया के अधिक केंद्रीकृत होने की आशंका है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने प्रतिशोध और राजनीतिक कारणों से प्रेरित होकर मनरेगा को समाप्त किया है।

कालीघाट मंदिर में अनुपम खेर ने की पूजा, की 'स्वास्थ्य और शांति' की कामना

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता स्थित प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में बालीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने दर्शन कर मां काली से स्वास्थ्य, सुख और शांति की कामना की। अभिनेता ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर मंदिर यात्रा की तस्वीरें और अनुभव साझा किए। अनुपम खेर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी ऐसे पवित्र स्थान पर खड़ा होना, जिसने सदियों से आस्था, आशा, आंसू और प्रार्थनाओं को देखा है, एक गहरा सुकून देने वाला अनुभव है। उन्होंने कहा कि आज उन्हें पवित्र कालीघाट मंदिर में मां काली का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अभिनेता ने आगे लिखा कि उन्होंने अपनी और सभी लोगों की ओर से शक्ति, कृतज्ञता तथा स्वास्थ्य, सुख और शांति की प्रार्थना की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की सुंदरता केवल इसकी विविधता में ही नहीं, बल्कि इसके प्राचीन मंदिरों और उनसे जुड़ी आस्था में भी निहित है, जहां पीढ़ियों से लोग श्रद्धा के साथ आते रहे हैं। कालीघाट काली मंदिर को भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वही स्थान है जहां देवी सती के शरीर का दाहिना अंगुल गिरा था।

गौरतलब है कि, अनुपम खेर लगभग 26 साल बाद बंगाली सिनेमा में निर्माता के रूप में वापसी कर रहे हैं। उनकी नई फिल्म 'शुरु थेके शुरू' के साथ यह वापसी हो रही है। उन्होंने इससे पहले वर्ष 1998 में फिल्म 'बारीवाली' में बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के साथ काम किया था। इस प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने कहा कि बंगाली सिनेमा में लौटना उनके लिए एक भावनात्मक और विशेष अनुभव है। उन्होंने बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, साहित्य, संगीत और कला परंपरा की भी सराहना की और इसे भारतीय सिनेमा के लिए एक अमूल्य योगदान बताया।

अनशन पर बैठने से पहले सोनम वांगचुक ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने से पहले राजघाट का दौरा किया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोशल मीडिया अभियान 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी।

वह कथित नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। यह भूख हड़ताल सीजेपी की ओर से जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा है।

इससे पहले, सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में कहा था कि वे सरकार के जवाब का 27 जून तक इंतजार करेंगे। यदि सरकार की तरफ से शिक्षा प्रणाली में सुधार या लद्दाख के पर्यावरण और संस्कृति की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो वे 28 जून से जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठेंगे।

सीजेपी ने देशभर के युवाओं तथा नागरिकों से अपील की है कि वे आज जंतर-मंतर पहुंचकर सोनम वांगचुक और इस मुहिम के समर्थन में एकजुटता दिखाएं।

लायंस क्लब ऑफ कोलकाता प्राइड का इंस्टॉलेशन एवं प्रथम चार्टर वर्षगांठ समारोह संपन्न

कोलकाता

लायंस क्लब ऑफ कोलकाता प्राइड द्वारा 26 जून 2026 को होटल निहारिका में इंस्टॉलेशन समारोह एवं प्रथम चार्टर वर्षगांठ समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल के वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में क्लब सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (इलेक्ट) लायन प्रमिल रूंगटा थे, जबकि पीडीजी लायन रश्मि बागला ने इंस्टॉलेशन ऑफिसर के रूप में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं निदेशक मंडल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पीएमसीसी पीडीजी लायन केदार नाथ गुप्ता ने मुख्य वक्ता के रूप में नेतृत्व, सेवा और लायनवाद के मूल्यों पर प्रेरक विचार रखे। प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (इलेक्ट) लायन कमल किशोर मंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में लायन सुनील कुमार मेहारिया ने अध्यक्ष, लायन वर्द्धमान छल्लाणी ने सचिव तथा लायन सोनू गोयल ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया। इसके अलावा लायन हर्ष सतीश उदेशी, लायन चिंपू लाल अग्रवाल, लायन चंद्रभानु सिन्हा, लायन मनु ऋषि वर्मा, लायन संजीत कुमार बर्मन, लायन वीराज पोपट, लायन नीतू गुप्ता, लायन रिकिता हर्ष उदेशी और लायन रंजीत कुमार मोदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने दायित्व संभाले। वर्ष 2026-27 के लिए गठित निदेशक मंडल में लायन उमेश कुमार सुल्तानिया, लायन कुणाल वोरा, लायन गिरिराज कंकानी, लायन गुंजन गनात्रा, लायन माधुरी छल्लाणी, लायन ममता सिन्हा, लायन मीनू मेहरिया, लायन पल्लवी बर्मन, लायन राधा सुल्तानिया, लायन ऋतु वर्मा, लायन साशी अग्रवाल और लायन वंदना कंकानी शामिल हैं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण क्लब की वार्षिक पत्रिका "प्राइड पैनोरमा 2025-26" तथा क्लब डायरेक्टरी 2026-27 का विमोचन रहा। इस अवसर पर कैबिनेट कोषाध्यक्ष (इलेक्ट) लायन रमेश चोखानी, कैबिनेट सचिव (इलेक्ट) लायन इंद्राणी चौधरी, लायन प्रदीप नायर, लायन अरुण जिंदल, लायन उत्तम गुप्ता सहित अनेक वरिष्ठ लायंस उपस्थित रहे। अतिथियों ने क्लब के प्रथम चार्टर वर्ष में किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अन्नपूर्णा की रसोई, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम और नेत्र परीक्षण शिविर जैसी गतिविधियों को उल्लेखनीय बताया। अपने संबोधन में अध्यक्ष लायन सुनील कुमार मेहारिया ने आगामी वर्ष की सेवा परियोजनाओं और योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। सम्मान समारोह, फेलोशिप और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। "प्राइड इन सर्विस" के ध्येय वाक्य के साथ क्लब ने समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

तिनसुकिया में आतंकी साजिश नाकाम, उल्फा (आई) से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी, तिनसुकिया (असम)

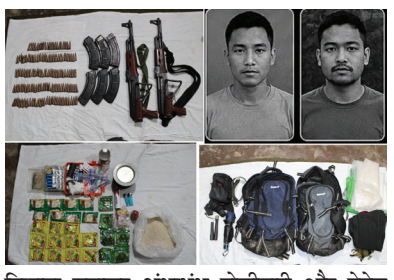

असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं।

एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस साजिश को विफल करने में सफल रहे हैं। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आरोपितों के कब्जे से एके-सीरीज की दो राइफलें, 172 राउंड गोला-बारूद, दो ग्रेनेड, बैकपैक, जंगल में जीवित रहने का सामान, खाद्य सामग्री, दवाइयां तथा नकदी बरामद की।

इसके बाद पुलिस ने एक अन्य अभियान चलाकर उग्रवादियों को लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में पानीटोला निवासी बिटु बोरा और कल्प बोरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, बिटु बोरा की स्विफ्ट कार (एआर-20ए-5892) का इस्तेमाल कथित तौर पर गिरफ्तार दोनों कैडरों ने किया था। वहीं, 'ऑल असम मटक युवा छात्र परिषद' के सह महासचिव कल्प बोरा पर उल्फा (आई) को सहयोग देने का आरोप है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर कबूल किया कि जब्त कार उल्फा (आई) के वरिष्ठ कैडर ऐसेंग आसोम के कहने पर मंगवाई गई थी। पुलिस ने पूरे तिनसुकिया जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है और इस कथित साजिश व बड़े सपोर्ट नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि, 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों की मदद से तिनसुकिया पुलिस द्वारा चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में लेखापानी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जागुन से उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया था। जिनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) और स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में की गयी है।

महाराष्ट्र में समृद्धि हाइवे पर दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले स्थित समृद्धि हाइवे पर रविवार को सुबह दो वाहनों की टक्कर में एक परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की छानबीन हाइवे पुलिस कर रही है। घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि चंद्रपुर शहर के बाबूपेठ इलाके में डी.एड. कॉलेज के पास रहने वाला जीवने परिवार रविवार को एक वैगनआर कार में एक फेमिली फंक्शन के लिए अकोला के लिए निकला था। जैसे ही उनकी कार धामनगांव तहसील में समृद्धि हाइवे पर चैनल नंबर 106 के पास पहुंची, तो कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े कंटेनर को टक्कर मार दी। इस घटना में कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में आरती जीवने (40), भास्कर जीवने (57), महादेव जीवने (42), लता जीवने (43) और त्रिशा जीवने (12) (सभी डी.एड. कॉलेज, बाबूपेठ, चंद्रपुर निवासी) शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही हाइवे पुलिस, स्थानीय पुलिस, एम्बुलेंस और आपातकालीन बचाव दल मौके पर पहुंचा। इसके बाद बचाव दल ने कार में फंसे शवों को बड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। शुरुआती जांच में पुलिस ने शुरुआती अनुमान जताया है कि तेज रफ्तार होने के कारण कार ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और खड़े कंटेनर से टकरा गई। इस घटना की गहन जारी है।

प्रशिक्षण विमान के प्रोपेलर से प्रशिक्षु पायलट के घायल होने की जांच शुरू

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हुई दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। मामले में संबंधित फ्लाइट इंस्ट्रक्टर को जांच पूरी होने तक उड़ान प्रशिक्षण दायित्वों से हटा दिया गया है, जबकि घटना में शामिल विमान के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

डीजीसीए ने रविवार को बताया कि 26 जून को गर्ग एविएशन के फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) का ट्विन इंजन टेक्नम पी2006टी विमान (वीटी-एनबीवी) चकेरी हवाई अड्डे पर रात्रिकालीन प्रशिक्षण उड़ान में लगा हुआ था। विमान में एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और एक कैडेट पायलट सवार थे। विमान के उतरने के बाद प्रशिक्षु पायलट इंजन चालू रहने के दौरान विमान से उतर गई। इस दौरान वह विमान के प्रोपेलर की चपेट में आ गई, जिससे उसकी पीठ में चोटें आईं।

श्री अकाल तख्त के आदेश का अक्षरशः पालन करेंगे, सोमवार को सभी मंत्री-विधायक होंगे पेश : भगवंत मान

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके प्रत्येक आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे।श्री अमृतसर साहिब में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो से संबंधित समस्त विवरण भी श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक-दूसरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब प्रत्येक सिख के लिए सर्वोच्च आस्था का केंद्र और हमारी कौम का सर्वोच्च तख्त है। वहां से जारी प्रत्येक आदेश हमारे लिए पूरी श्रद्धा के साथ स्वीकार्य है और उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। हमारे सभी मंत्री, विधायक तथा पंजाब विधानसभा के स्पीकर, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किया गया है, सोमवार को वहां उपस्थित होंगे। वे एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष सरकार की स्थिति स्पष्ट करेंगे तथा अपना पक्ष रखेंगे।

◆ मेरा मास्क पहनकर नकल करने वाले की फर्जी वीडियो भी पत्र के साथ अकाल तख्त साहिब को सौंपी जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मुझे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने बुलाया था, तब मैं वहां उपस्थित होने के लिए भारत के राष्ट्रपति के एक कार्यक्रम को भी छोड़कर गया था।" मुख्यमंत्री ने कहा, "जब भी मैं गांवों, सामाजिक कार्यक्रमों और जनसभाओं में जाता हूं, वहां भारी जनसमर्थन मिलता है। विपक्षी दल इसे सहन नहीं कर पा रहे क्योंकि वे स्वयं ऐसा जनसमर्थन जुटाने में असमर्थ हैं। इस ज़ोरदार समर्थन से इसी निराशा में वे मेरे विरुद्ध निराधार आरोप लगाने लगे हैं। पंजाब के लोग ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।" उन्होंने कहा, "भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल मुझे धार्मिक रूप से बदनाम कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, जबकि मैं केवल रोजगार, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास जैसे मुद्दों पर लोगों के हित में कार्य कर रहा हूं।" एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य सरकार शीघ्र ही जत्थेदार साहिब को पत्र लिखकर बताएगी कि किस प्रकार मेरी छवि खराब करने के लिए मेरी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो का उपयोग किया गया। पत्र को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हमारे मंत्रियों और विधायकों के श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होने के बाद आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। सिख पंथ में संगत ही सर्वोच्च है और प्रत्येक निर्णय उसकी इच्छा के अनुरूप लिया जाएगा, क्योंकि संगत हर निर्णय का न्याय करने में पूरी तरह सक्षम है।" महाराष्ट्र सरकार द्वारा 70 वर्ष पुराने "नांदेड़ सिख गुरुद्वारा सचखंड श्री हजूर अब चलनगर साहिब अधिनियम, 1956" को निरस्त करने के निर्णय पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, "महाराष्ट्र सरकार को सिख कौम के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को ऐसे कदम उठाने से बचना चाहिए जिनसे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हों।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

वैभव सूर्यवंशी की बेखौफ बल्लेबाजी ने कुमार संगकारा को भी किया था हैरान

बताया 14 साल के खिलाड़ी का यादगार किस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम प्रबंधन के संकेतों से भी फिलहाल यही माना जा रहा है कि उन्हें शुरुआती मुकाबलों में अवसर मिलने की संभावना सीमित है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार कर रहे इस युवा बल्लेबाज को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चा लगातार बनी हुई है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का इतिहास रच दिया था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली और लगातार तीन श्रृंखलाओं के लिए टीम में चुना गया। इस बीच राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया, जिसने इस युवा बल्लेबाज की निडर मानसिकता और असाधारण प्रतिभा को उजागर कर दिया। उन्होंने बताया कि पहली बार वैभव को देखकर ही उन्हें एहसास हो गया था कि यह खिलाड़ी सामान्य प्रतिभा नहीं रखता। कुमार संगकारा के अनुसार, वह दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां एक छोटे नेट सत्र में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से अभ्यास करा रहे थे। उनकी रफ्तार और स्विंग को देखते हुए कोई भी बल्लेबाज सामने आने के लिए तैयार नहीं था। तभी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने खुद आगे बढ़कर बल्लेबाजी करने की इच्छा जताई। संगकारा ने बताया कि जैसे ही वैभव ने बल्लेबाजी शुरू की, हर शॉट के साथ बल्ले से निकलने वाली आवाज किसी गोली की तरह सुनाई दे रही थी। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ अंदाज में आक्रामक शॉट लगाए। एक समय ऐसा भी आया जब आर्चर खुद गेंदबाजी रोककर मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र का बल्लेबाज उनकी तेज गेंदों को इतनी आसानी से खेल रहा है। संगकारा ने आईपीएल 2026 का एक और रोचक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 220 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करना था। मैच शुरू होने से पहले वैभव उनके पास आए, आंख मारते हुए बोले कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और टीम मुकाबला जीत जाएगी। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने साथियों डोनोवन फरेरा और ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस से मजाकिया लेकिन आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि वह इस मैच में 13 छक्के लगाएंगे और उसके बाद बाकी काम दोनों संभाल लेंगे।

2026 में टी20 रन बनाने में ईशान किशन सबसे आगे

एजेंसी, नई दिल्ली

साल 2026 टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन 1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है। वहीं, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने इस साल केवल आईपीएल में हिस्सा लेते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। अब आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 और इंग्लैंड दौरे की पांच मैचों की श्रृंखला में यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो उनके पास इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचने का बेहतरीन अवसर होगा।

वैभव में नया सीखने की जबरदस्त चाहत, लगातार सवाल पूछता है : अभिषेक

एजेंसी, बेलफास्ट

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 15 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह नई चीजें सीखने को लेकर उत्साहित रहता है। वैभव ने पिछले कुछ समय के अंदर ही आईपीएल, अंडर 19 और भारत ए की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। आयरलैंड दौरे के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किये गये वैभव हो हालांकि पहले टी 20 में अवसर नहीं मिला पर कहा जा रहा है कि उन्हें दूसरे टी20 में अवसर मिलना तय है। वैभव को हालांकि पहले मैच में अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला, लेकिन टीम की करारी हार के बाद अब उन्हें दूसरे और अंतिम टी20 मैच में डेब्यू कराने की मांग बेहद तेज हो गई है. आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के बाद अभिषेक ने वैभव को लेकर कई बातें कही हैं। अभिषेक ने कहा है कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने व्यवहार से सबका दिल जीत लिया है! अभिषेक ने कहा, 'एक टीम के तौर पर, मुझे लगता है कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे सहज महसूस कराएं। वह बहुत छोटा है और मैंने जो महसूस किया, वह हर समय खेलने के लिए बहुत उत्सुक रहता है। वह अभी सीख रहा है. वह लगातार सवाल पूछता है, इसलिए मुझे लगता है कि उसके अंदर वो बात है, जहां वह बहुत सी चीजें सीखना चाहता है। जाहिर है, यह उसके लिए एक सपने जैसा है. इसलिए हम उसे यह महसूस कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि वह इस ग्रुप का हिस्सा है।'

महिला टी20 विश्व कप 2028: भारत समेत आठ टीमों ने सीधे बनाई जगह

एजेंसी, नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2028 के लिए भारत सहित आठ टीमों ने सीधे क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका और स्कॉटलैंड के बीच खेले गए मुकाबले के बाद अगले विश्व कप में स्वतः प्रवेश पाने वाली टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई। वर्ष 2026 के महिला टी20 विश्व कप में 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया था। दोनों समूहों की शीर्ष चार-चार टीमों ने अपने प्रदर्शन के दम पर 2028 में पाकिस्तान में आयोजित होने वाले अगले विश्व कप के लिए सीधा टिकट हासिल कर लिया है। ग्रुप-ए से भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष चार में अपनी जगह सुनिश्चित की। वहीं ग्रुप-बी से इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने अगले विश्व कप में सीधा प्रवेश हासिल किया। इन आठ टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए अपनी दावेदारी मजबूत साबित की। दूसरी ओर पाकिस्तान का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। टीम अपने समूह में लगातार चार मुकाबले हार गई और पांचवें स्थान पर रही। हालांकि, वर्ष 2028 के महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास होने के कारण उसे मेजबान देश के विशेष अधिकार के तहत सीधे मुख्य प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलेगा।

काशी के नए क्रिकेट स्टेडियम की कुर्सियां होंगी हाईटेक

एजेंसी, वाराणसी

काशी के गंजारी क्षेत्र में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अपनी अनोखी डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं के कारण लगातार चर्चा में बना हुआ है। भगवान शिव की नगरी की सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे इस स्टेडियम में हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। त्रिशूल के आकार की फ्लडलाइट, डमरू से प्रेरित मीडिया गैलरी और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ अब यहां लगाई गई हाईटेक कुर्सियां भी आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। स्टेडियम में दर्शकों के लिए लगाई जा रही कुर्सियां सामान्य स्टेडियमों में इस्तेमाल होने वाली कुर्सियों से अलग हैं। इन्हें विशेष ऑर्डर पर पश्चिम बंगाल से मंगाया गया है। निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों के अनुसार इन कुर्सियों को इस तरह तैयार किया गया है कि तेज धूप, बारिश या मौसम के बदलाव का इन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इनका रंग लंबे समय तक फीका नहीं होगा और ये वर्षों तक टिकाऊ बनी रहेंगी। इंजीनियरिंग प्लास्टिक से बनी इन कुर्सियों में पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा देने वाली तकनीक का उपयोग किया गया है। यही कारण है कि लगातार धूप में रहने के बावजूद इनमें दरारें नहीं आएंगी और न ही इनकी गुणवत्ता प्रभावित होगी। इतना ही नहीं, इन्हें अग्निरोधी बनाया गया है, जिससे आग लगने जैसी स्थिति में भी सुरक्षा का स्तर बेहतर रहेगा।

स्टीव क्लार्क का स्कॉटलैंड पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली

स्कॉटलैंड की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच स्टीव क्लार्क ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। स्कॉटिश फुटबॉल एसोसिएशन ने यह जानकारी दी । एसोसिएशन ने बयान में कहा कि स्कॉटलैंड के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने की पुष्टि के बाद देश के सबसे सफल राष्ट्रीय कोच ने अपने सात साल के कार्यकाल को समाप्त करने का फैसला किया है। स्टीव ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कॉटलैंड को 28 वर्ष में पहली बार पुरुष फीफा विश्व कप में पहुंचाया। साथ ही लगातार दो बार यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कराया। स्कॉटलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत हैती के खिलाफ 1-0 की जीत के साथ की थी। इसके बाद मोरक्को और ब्राजील से हार के कारण स्कॉटलैंड अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया। स्टीव क्लार्क ने अपने कार्यकाल के दौरान टीम की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विदाई का सबसे भावुक पहलू मेरे खिलाड़ियों के लिए है, जिनके बिना 2019 से अब तक हमने जो भी यादें संजोई हैं, वे नहीं होतीं। वे हर प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं और उनका कोच कहलाना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद और मेरे उत्तराधिकारी को शुभकामनाएं। स्कॉटिश फुटबॉल एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इयान मैक्सवेल ने कहा कि हम सभी ग्रुप चरण में विश्व कप से बाहर होने से निराश हैं, लेकिन हमें स्टीव के सात वर्ष के कार्यकाल के दौरान हुई शानदार प्रगति को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने स्कॉटलैंड को एक बड़े टूर्नामेंट में वापस लाने की जिम्मेदारी को बखूबी निभाया।

न्यूजीलैंड की तीन दिग्गजों का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त

खिलाड़ियों ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर दी भावुक विदाई

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला टी20 विश्व कप 2026 से गत चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम बाहर हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ जैसे ही टीम को हार मिली, उनकी दिग्गज खिलाड़ियों सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और ली ताहुहू का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। इन तीनों को खिलाड़ियों ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर विदाई दी। तीनों खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। उन्होंने पहले ही साफ कर दिया था कि जून-जुलाई 2026 में होने वाला महिला टी20 विश्वकप उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैच के बाद न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर ने तीनों दिग्गजों की विदाई पर कहा कि 'बेट्स, डिवाइन और तहुहू के जाने के बारे में बात करें तो शायद यही सबसे दुखद बात है। तीन दिग्गज खिलाड़ी हमारे माहौल और महिला क्रिकेट से विदा ले रही हैं। इस टीम के लिए उन्होंने जो योगदान दिया है, उसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' केर ने कहा कि 'मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। जब मैं एक युवा खिलाड़ी के तौर पर न्यूजीलैंड महिला टीम में आई थी, तो वे तीनों वहां मौजूद थीं। उन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया और टीम में मेरा स्वागत किया। इस सफर के दौरान, मुझे उनके साथ समय बिताने का सौभाग्य मिला। मैं बहुत आभारी महसूस करती हूं कि मुझे उन तीनों के साथ ड्रेसिंग रूम में इतना लंबा समय बिताने का मौका मिला।' न्यूजीलैंड की 36 वर्षीय सोफी डिवाइन ने अंतरराष्ट्रीय करियर में न्यूजीलैंड के लिए कुल 317 मुकाबले (159 वनडे और 158 टी20) खेले। इस दौरान उन्होंने वनडे में 4279 रन और टी20 में 3817 रन बनाए। इसके साथ-साथ उन्होंने दोनों प्रारुप में मिलाकर कुल 241 विकेट भी चटकाए। कीवी टीम की अहम तेज गेंदबाज रहीं ली ताहूहू ने कुल 207 मैचों (103 वनडे और 104 टी20) में टीम का प्रतिनिधित्व किया और 225 विकेट चटकाए। वहीं, सूजी बेट्स ने न्यूजीलैंड के लिए 184 वनडे और 186 टी20 मैच खेले। इस दौरान वनडे में 5982 रन और टी20 में 4758 बनाए हैं। महिला टी20 विश्वकप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। केनिंग्टन ओवल के मैदान पर खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए थे।

एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भारत ने जीते चार पदक

एजेंसी, पणजी

मेजबान भारत ने पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। विभिन्न वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने देश की बढ़ती ताकत को एक बार फिर साबित किया। भारतीय दल की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर्स वर्ग में रही, जहां भारत-बी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में जापान को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक अंक के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

सुकामल दास, हेमंत जालान, जितेंद्र सोलानी, अनिल पाध्ये, राजेश दलाल और राजू टोलानी से सुसज्जित भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम स्पर्धा में भारत-ए टीम ने कांस्य पदक जीतकर देश को एक और सफलता दिलाई। वहीं मैचपॉइंट फाइनल्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला युगल वर्ग में सवलीन ठडानी और साधना गुप्ता ने रजत पदक हासिल किया, जबकि सीनियर्स युगल वर्ग में सुबीर मजूमदार और सुजीत कुमार भट्टाचार्य ने भी रजत पदक अपने नाम किया। चैंपियनशिप के विभिन्न टीम वर्गों में ऑस्ट्रेलिया ने सीनियर्स खिताब जीता, जबकि पुरुष वर्ग में हांगकांग चीन, महिला वर्ग में इंडोनेशिया और मिश्रित टीम वर्ग में चीन विजेता बना। इसके अलावा, फ्रेंडशिप पेयर्स प्रतियोगिता में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। अरुण बापट और अजय खरे की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कामना शर्मा और अभिजीत पाल ने कांस्य पदक हासिल कर देश की उपलब्धियों में इजाफा किया।

महिला टी20 विश्व कप: डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड का सफर समाप्त, अमेलिया केर ने बताई हार की वजह

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने गत विजेता न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हार के बाद न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान अमेलिया केर ने स्वीकार किया कि टीम के लिए यह टूर्नामेंट निराशाजनक रहा। लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में हार से न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप स्टेज में ही समाप्त हो गया, जबकि मेजबान इंग्लैंड ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज कर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आयरलैंड से हार के बावजूद वेस्टइंडीज भी अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहा। हार के बाद न्यूजीलैंड की कप्तान ने कहा कि आयरलैंड ने हमें सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका दिया था और आज हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। बल्लेबाजी के दौरान कुछ ऐसे पल आए जब लगा कि हम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते हैं, लेकिन हमने कुछ विकेट गंवा दिए। फिर भी हमने 160 से अधिक रन बनाए, इसलिए अच्छी गेंदबाजी के दम पर हमारे पास मुकाबला जीतने का मौका था।" उन्होंने आगे कहा कि अगर हम कुछ और रन जोड़ते और गेंदबाजी में थोड़ी ज्यादा अनुशासन दिखाते, तो मुकाबला काफी रोमांचक हो सकता था।" टूर्नामेंट पर बात करते हुए केर ने कहा कि हम सभी मानते हैं कि यह अभियान हमारे लिए निराशाजनक रहा। हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में पहुंचना था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम में अभी भी काफी सुधार की गुंजाइश है। अगर हम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सिर्फ पांच प्रतिशत भी बेहतर हो जाएं, तो हम बेहद खतरनाक टीम बन सकते हैं। हमारे पास कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं, जो आने वाले समय में और मजबूत होंगे। मैच की बात करें तो शनिवार रात खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। टीम ने संभली हुई शुरुआत की और शुरुआती छह ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 44 रन जोड़े। हालांकि 70 रन के कुल स्कोर पर एक के बाद एक तीन विकेट गवां दिए। कप्तान अमेलिया केर ने 42 रन की उपयोगी पारी खेली, इसाबेला गेज ने 28 रन बनाए।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 79वें संस्करण में गूंजा नशा मुक्त भारत का संदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार को 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' का 79वां संस्करण 'नशा मुक्त भारत अभियान' की थीम पर आयोजित हुआ। इस दौरान बच्चे, युवा, बुजुर्ग, साइकिल चलाने वाले और फिटनेस के शौकीन लोग एक साथ आए और 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। उन्होंने स्वस्थ, नशे से दूर जीवन जीने और भारत को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया। 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 5 किलोमीटर की साइकिल रैली मुख्य आकर्षण रही। इसमें शामिल लोगों ने एक साथ साइकिल चलाई और यह संदेश दिया कि खेल और फिटनेस समाज, खासकर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर ले जाने और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रखने के सबसे मजबूत जरिया है। कार्यक्रम में 800 से ज्यादा लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान फिटनेस मॉडल और फिट इंडिया एंबेसडर किरण छिल्लर को सम्मानित किया गया। उन्होंने लोगों से फिटनेस को आजीवन प्रतिबद्धता बनाने का आह्वान किया। फिटनेस मॉडल ने कहा, "फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल ने हमेशा स्वस्थ जीवन शैली जीने का संदेश दिया है। हमें इसका पालन करना चाहिए और सकारात्मक स्वास्थ्य को अपनी जीवन शैली बनाना चाहिए।" सुबह के कार्यक्रमों की एक और खास बात 'योगा जोन' थी। यहां प्रतिभागियों ने योग सेशन का अनुभव किया। साथ ही रस्साकशी, कैरम और शतरंज के रोमांचक खेल भी हुए। अपने परिवार के साथ भाग लेने वाले राजेश शर्मा ने कहा, "मेरे बच्चे गेम खेलने में व्यस्त थे जबकि मेरे माता-पिता योग सत्र में शामिल हुए। हमें शायद ही कभी ऐसी जगह मिलती है जहां तीन पीढ़ियां एक साथ फिटनेस का आनंद लेती हों।" छात्रा अनन्या वर्मा ने आयोजन स्थल को किसी भी नियमित खेल आयोजन से अलग बताया। छात्रा ने कहा कि यह एक व्यायाम कार्यक्रम की तुलना में एक त्योहार की तरह अधिक महसूस हुआ।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

एसआरआई पद्धति से धान की खेती

एसआरआई पद्धति में खेती में पानी नहीं रहने पर मिट्टी में वायु का संचार होने से पौधों की जड़ों की बढ़ोत्तरी अधिक अच्छी होती है। इससे सम्पूर्ण पौधे स्वस्थ रहते हैं और उनका अच्छा विकास होता है जिसका धान के उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

एसआरआई पद्धति से धान के एक पौधे में कम से कम 20 से 25 बालियां आसानी से आ जाती हैं जबकि कई पौधों में 50 व उससे भी अधिक बालियां निकलती हैं। इन मुख्य विशेषताओं के कारण इस पद्धति से धान की खेती करने से उपज बढ़ती है जिससे किसानों के लाभ में वृद्धि होती है।

उचित भूमि का चयन

इस विधि के लिए अच्छी जल निकास वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। अम्लीय व क्षारीय भूमि में इसकी खेती नहीं करें। इसके लिए उपयुक्त पीएच मान 5.5 से 7.5 तक है। भारी व काली मिट्टी वाले खेत में वीडर चलाने में थोड़ी समस्या होती है।

भूमि का समतलीकरण

खेत को पूर्ण रूप से समतल किया जाना जरूरी है ताकि पूरे खेत में एक समान सिंचाई दी जा सके और कहीं भी अनावश्यक पानी न जमा हो। यदि खेत में कहीं ज्यादा पानी जमा होगा तो रोपे गये पौधे छोटे होने के कारण उनके मरने की सम्भावना बढ़ जाएगी और जड़ों का विकास अच्छा नहीं होगा जिससे प्रति पौधा कल्लों की संख्या कम हो जायेगी।

बीज का चयन

अच्छे बीज के चयन हेतु बीज को चौड़े मुंह वाले बर्तन में पानी में डाला जाता है। जो बीज ऊपर तैरते हैं, उन्हें निकाल देते हैं। इसके बाद पानी में 12-24 घंटे तक बीज को भिगोकर अंकुरण के लिए 24 से 48 घंटे तक जूट के बोरे में बांध कर रखा जाता है। बोरी पर दिन में तीन बार पानी का छिड़काव करें। यदि मौसम ठण्डा है तो हल्का गर्म पानी का उपयोग करते हैं। जब बीज के ऊपरी सिरे पर हल्के सफेद रंग के अंकुर दिखायी देने लगते हैं तब बीज क्यारी में बोने के लिए उपयुक्त होता है।

नर्सरी की तैयारी

नर्सरी बनाने में बहुत सावधानी बरतें। इस विधि में 8-12 दिन के पौधों का रोपण किया जाता है। एक हेक्टेयर धान के क्षेत्रफल के लिए 100 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र व 5 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। नर्सरी के क्यारी बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि क्यारी खेत के मध्य या कोने में बनाई जाय जहां पौधा रोपण करना है। क्यारी की लम्बाई 125 से.मी. से ज्यादा नहीं होनी चाहिये। लम्बाई स्थिति के अनुसार व बैड की ऊँचाई आधार तल से 6 इंच हो।

प्रथम परत -1 इंच गोबर की अच्छी खाद
द्वितीय परत -1-1.5 इंच बारीक मिट्टी
तृतीय परत -1 इंच सड़ी गोबर की खाद
चौथी परत-2.5 इंच बारीक मिट्टी
मल्चिंग -3-4 दिन तक

सभी परतों को अच्छी तरह मिला दें। इस पद्धति से पौधों की जड़ों को निकलने में आसानी होती है। बीज बुआई नर्सरी के क्यारी में अंकुरित बीज का छिड़काव करने से पहले चार भागों में बांट लिया जाता है। प्रथम भाग के बीज का छिड़काव दूर-दूर किया जाता है। बीज से बीज की दूरी इतनी होती है कि उसमें एक बीज का स्थान छूट जाय। दूसरे भाग के बीज बोते समय जिस जगह कम बीज पड़ता है, वहाँ पर देख कर बुआई करें। तीसरा भाग चारों किनारों पर ठीक ढंग से बोयें। चौथा भाग,जहाँ पर बीज नहीं है, वहाँ पर बोयें। बीज चार भागों में इसलिए बांटते हैं कि इस विधि में कम बीज की आवश्यकता होती है। पौधा रोपण के समय एक-एक पौधे को बीज सहित नर्सरी में अलग करके मिट्टी सहित रोपा जाता है इसलिए नर्सरी में बीज बोते समय बीज से बीज की उचित दूरी रखनी आवश्यक है। बीज बुआई के पश्चात अच्छा सड़ा हुआ खाद या धान का पराल क्यारी के ऊपर पतली परत में बिछा दें। बीज को सीधी धूप, चिड़ियों और चींटियों से सुरक्षा करें। जब दो या तीन दिन में बीज अंकुरण हो जाय तो पराल को हटा दें व सुबह-शाम प्रतिदिन सिंचाई करें। सिंचाई करते समय यह सावधानी बरतें कि बीज मिट्टी के बाहर न निकल जाये।

खेत की तैयारी

इस विधि में परम्परागत विधि के समान ही खेत की तैयारी की जाती है, लेकिन खेत को समतल करना आवश्यक है। पौध रोपण के 12 से 24 घंटे पूर्व खेत की तैयारी करके एक से तीन सेमी. से ज्यादा पानी खेत में न रखें। इससे निशान लगाने में कोई असुविधा नहीं होती है।

पौधा रोपण हेतु सावधानियां

- जड़ों व बीज को नुकसान पहुँचायें बिना पौधा रोपें।
- लगाने के पहले एक-एक पौधा अलग कर लें।
- नर्सरी से निकाले पौधे की मिट्टी धोये बिना लगायें।
- धान के बीज सहित पौधे को ज्यादा गहराई पर रोपण न करें।

वीडर मशीन चलाने के लाभ

- खरपतवार की रोकथाम।
- मिट्टी में खरपतवार मिलाने से हरी खाद की उपलब्धता।
- पौधों की जड़ों को पर्याप्त हवा व पौधों को प्रकाश मिलता है।
- मिट्टी में जीवाणुओं की क्रिया में वृद्धि।
- पौधों को अधिक मात्रा में पोषण मिलता है।

पौधा रोपण

इस विधि में 8-12 दिन के पौधे का रोपण किया जाता है, जब पौधे में दो पत्ती निकल आये। नर्सरी से पौधों को निकालते समय इस बात की सावधानी रखें कि पौधों के तने व जड़ के साथ लगा बीज न टूटे व एक-एक पौधा आसानी से अलग करें। पौधा रोपण के समय हाथ के अँगूठे एवं वर्तनी अंगुली (पदकमग पिदहमत) का प्रयोग करें।

खरपतवार नियंत्रण

एसआरआई में प्रभावशाली खरपतवार नियंत्रण के लिए हाथ से चलाये जाने वाले वीडरों के विभिन्न मॉडल विकसित किये गए हैं। वीडर चलाने से खेत की मिट्टी पोली हो जाती है और उसमें हवा का आवागमन ज्यादा होता है। इसके अतिरिक्त खेतों में पानी न भरने देने की स्थिति में खरपतवार उगने को उपयुक्त वातावरण मिलता है। इस खरपतवार को जमीन के अन्दर दबा दिया जाये तो ये खाद का काम भी करती है जिससे भूमि में जैविक खाद की बढ़ोतरी होती है। पौध रोपण के पश्चात् 10वें दिन में वीडर चलायें, दूसरी बार 20वें दिन पर और तीसरी बार 30वें दिन वीडर चलायें। पौधे के आसपास के खरपतवार जो वीडर से लाइन में छूट जाते हैं, उन्हें हाथ से निकाल लिया जाता है। पौधे के पंक्तियों के बीच में वीडर चलाने से खरपतवार मिट्टी में मिल जाता है। यदि इसके बाद आवश्यक हुआ तो एक निराई वीडर से और करें। वीडर के ज्यादा बार उपयोग करने पर अधिक पैदावार होती है।

सिंचाई एवं जल प्रबंधन

एसआरआई में खेत में पौध रोपण के बाद पर्याप्त नमी बनी रहे, इतनी सिंचाई करें कि खेत में पानी भर कर रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

कल्लों का निकलना

18 से 45 दिन के बीच धान के पौधे से सबसे ज्यादा कल्ले निकलते हैं क्योंकि इस समय पौधों को धूप, हवा व पानी पर्याप्त मात्रा में मिलता है। अनुभवों के आधार पर जहां केवल एक बार ही वीडर का उपयोग किया गया है, वहां एक पौधे से कल्लों की संख्या 15-25 तक प्राप्त हुई है। तीन बार वीडर का उपयोग करने पर एक पौधे से अधिकतम 80 तक भी कल्ले निकले हैं।

भूमि की गुणवत्ता में वृद्धि

इस विधि में जैविक तरीके से खेती करने पर जोर दिया जाता है। भूमि की उत्पादकता में वृद्धि करने के तीन उपाय उपयुक्त हैं।

कम्पोस्ट की खाद

अच्छी सड़ी हुई खाद 15 टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से (8 ट्राली प्रति हेक्टेयर) डालना आवश्यक है। यदि गोबर की खाद के साथ वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप कम्पोस्ट यदि उपलब्ध हो तो दोनों को मिलाकर उपयोग करें। इसके साथ पंचगव्य व अमृत जल का उपयोग किया जाता है। प्रथम, द्वितीय व तृतीय वीडिंग के पश्चात पंचगव्य व अमृत जल या मेपल ई. एम. 1 का प्रयोग क्रमवार करें जिससे भूमि में सूक्ष्म बैक्टीरिया की संख्या में वृद्धि होती है जिससे भूमि की उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि होती है।

हरी खाद

खेत में धान की रोपाई से दो माह पूर्व खेत की जुताई करके सनई, ढेंचा की बुआई करें। 35 से 45 दिन पश्चात, हरी फसल को खेत की जुताई करके मिट्टी में दबा दें जिससे भूमि में जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है। इससे भूमि में नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणु वायु मण्डल से नाइट्रोजन लेकर जड़ों में संग्रहित कर सकते हैं।

हरी खाद बनाने की दाभोलकर विधि

वर्तमान में यह विधि काफी लोकप्रिय है। साधारणतः हरी खाद प्राप्त करने के लिए लेग्युमिनस (बेल वाली) फसलों को ही बोया जाता है। लेकिन दाभोलकर विधि में 5 तरह (अनाज, दलहन, तिलहन, लेग्युमिनस एवं मसाले) के बीजों का मिश्रण करके बोया जाता है। बाद में इनको जुताई करके मिट्टी में दबा दिया जाता है। इस विधि में दलहन, तिलहन, अनाज और हरी खाद के प्रत्येक फसल के बीज के 6 कि. ग्रा. और मसाले के बीज का 500 ग्राम मिलाया जाता है। बोने के 40 से 45 दिन के बाद जुताई करके इनको मिट्टी में दबा दिया जाता है। इससे मिट्टी की ऊपरी परत में लाभदायक जीवाणु से ह्यूमस बनता है।

कटाई

जब पौधों की कटाई की जाती है तो पौधे का तना हरा रहता है जबकि बालियाँ पक जाती हैं। बालियों की लम्बाई व दानों का वनज परम्परागत विधि की अपेक्षा ज्यादा होता है। बालियों में खाली दानों की संख्या कम होती है तथा दाने जल्दी नहीं झड़ते हैं।

नेट हाउस में उपजायें खीरा

भूमि व उसकी तैयारी

नेट हॉउस के अन्दर बीज की बुआई से एक माह पहले खेत की गहरी जुताई करके भूमि को अच्छी प्रकार तैयार करें तथा भूमि से विभिन्न प्रकार के रोगाणुओं व कीटाणुओं के निदान के लिए मिट्टी को फार्मेल्डीहाइड के घोल से उपचारित करें। नेटहाउस की मिट्टी को पारदर्शी पॉलीथिन (25 माइक्रान मोटाई) से लगभग 15 दिन तक ढककर खुली धूप आने दें जिससे पॉलीथिन चादर के अंदर का तापक्रम बढ़े और गैस सरलता से कवक आदि को मार सके। इस प्रकार उपचारित मिट्टी को लगभग एक सप्ताह के लिए खुला छोड़ दें तथा उसको उलटते-पलटते रहें जिससे उसमें उपस्थित दवा (गैस) का अंश मिट्टी से निकल जाये तथा जब बीज की बुआई की जायें ताकि दवा का विपरीत प्रभाव पौधे की वृद्धि व विकास पर न पड़े।

रोपाई व उसका समय

ठीक प्रकार से बनी हुई बेड्स पर ड्रिप पाइप डालकर बीज की बुआई करें। बुआई करते समय यह ध्यान रखें कि प्रत्येक पौध को उचित दूरी पर एवं ड्रिप लाइन में उपलब्ध छिद्र के पास ही बीज को बोया जाये ताकि छिद्र से निकला हुआ जल व जल मिश्रित उर्वरक पौधों की जड़ों को पूर्ण रूप से तथा आसानी से उपलब्ध हो सके। खीरा विभिन्न मौसम के लिए उपलब्ध किस्मों के अनुसार पूरे वर्ष उगाया जा सकता है। दो उठी हुई बेड्स के बीच से दूरी 4 फीट हो तथा इसको एक ही कतार पर 30 से 40 से.मी. की दूरी पर बीज बोते है। जिससे 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 2000-2800 तक बीज लगाये जा सकते हैं। हाथ से बुवाई के बाद बूंद-बूंद सिंचाई से इसे सींचा जाता है। चार से पांच दिन में बीज अंकुरण होता है। इसके बाद पखवाड़े में तंतु निकलने शुरू होते हैं। इन तंतु को धागे (डोरी) से ऊपर लगे तार से बांधना पड़ता है, जिससे बेल सीधी ऊपर की ओर बढ़े। इसके बढ़ने व फूल-फल लगने पर तीन-चार स्थानों पर क्लिप लगाने पड़ते हैं।

पानी व उर्वरक देना

पौधों की उर्वरक व जल की मात्रा मौसम एवं जलवायु पर निर्भर करती है। आमतौर पर गर्मी में प्रतिदिन तथा सर्दी में 2-3 दिन के अंतराल पर दिया जाता है। उर्वरक पानी के साथ मिलाकर ड्रिप सिंचाई प्रणाली द्वारा दिये जाते है। नत्रजन 80 से 100 पीपीएम, फास्फोरस 60 से 70 पीपीएम तथा पोटाश 100 से 120 पीपीएम तक दिये जाते है। इनकी मात्रा को फसल की अवस्था, भूमि के प्रकार व मौसम के अनुसार घटाया व बढ़ाया जा सकता है।

किस्मों का चुनाव

साधारणतया नेटहाउस में ऐसी किस्मों का चुनाव किया जाता है जो कि गाइनोसियस हो (बीज रहित) तथा फल कोमल एवं मुलायम एवं उपज अच्छी हो। इन किस्मों का विकास मुख्यत: यूरोपीय देशों व इजराइल में किया गया है। कई बड़ी-बडी बीज कम्पनियां भी हमारे देश में इस प्रकार की किस्मों को उपलब्ध करा रही है। खीरा की संकर किस्में नेट हाउस/पाली हाउस के लिए काफ्का (सिंजेंटा), इंफिनिटी (नूनहेम्स), किंग स्टार, मल्टीस्टार (रिज़्क़ जवान), फारिया (इंजा जेड़ान), रिका (युकसेल)।

उपज व तुड़ाई

बुआई के 40 दिन बाद फसल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाती है। ग्रीष्मकालीन व वर्षाकालीन फसल की अवधि 2.5 से 3.0 माह तक होती है जबकि सर्दी की सल की अवधि 3.0-3.5 माह की होती है। इस प्रकार के खीरे को 8 से 10 से.मी. लम्बाई व कम मोटाई में तोड़कर ग्रेडिंग करके उच्च बाजार में अधिक भाव पर बेचा जा सकता है। इस प्रकार 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में खीरे की बीज रहित किस्मों की तीन फसल लेकर 120 से 150 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले फलों की उपज ली जा सकती है।

पौधों की छंटाई व सहारा देना

खीरे के पौधों को एक प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लपेटकर ऊपर की ओर चढ़ाया जाता है। इस प्रक्रिया से प्लास्टिक की रस्सियों को एक सिरे की पौधों के आधार से तथा दूसरे सिरे को ग्रीनहाउस में क्यारियों के ऊपर 9-10 फीट ऊँचाई पर बंधे लोहे के तारों पर बांध देते हैं तथा अन्त में जब पौधा उस तार के बराबर जिस तार पर रस्सी का दूसरा सिरा बंधा होता है, तो पौधो को नीचे की ओर चलने दिया जाता हैं। तथा साथ-साथ विभिन्न दिशाओं से निकली शाखाओं की निरन्तर काट-छांट करें। कटाई-छंटाई करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि हमने किस किस्म को उगाया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।'' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

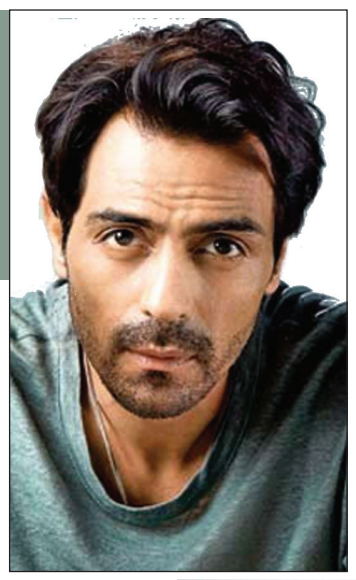

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संधू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संधू ने बताया कि वह 'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी जताई।

उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूं, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी क्यों भाग रही हूं। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूं, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉपरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए ग्रुपिज्म और बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'ग्रुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बनने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवरती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवरने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'